

शिक्षा की प्रगति

१६८०-८१



शिक्षा निर्देशालय उ.प्र. इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश में शिक्षा की प्रगति

सामान्य-शिक्षा

1980-81

शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश,
इलाहाबाद

विषय-सूची

अध्याय	पृष्ठ संख्या
1—सामान्य पर्यवेक्षण	1—3
2—प्राथमिक शिक्षा	4—5
3—पूर्व माध्यमिक शिक्षा	6
4—माध्यमिक शिक्षा	7—8
5—अध्यापक प्रशिक्षण	9—10
6—उच्च शिक्षा	11—12
7—प्रौढ़ शिक्षा	13—17
8—विविध	18—26

अध्याय--1

सामान्य पर्यवेक्षण

शिक्षा मानव के सर्वोन्मुखी विकास का सर्वोत्तम साधन है। शिक्षा मनुष्य को अपने वातावरण के अनुसार ढालने, सामाजिक उत्तरदायित्व का निर्वहन करने, स्वस्थ जीविकोपार्जन करने तथा जीवन के उत्कृष्ट मूल्यों के प्रति आस्थावान् दृष्टिकोण विकसित करने में सहायक है। प्रजातांत्रिक शासन पद्धति में जनता के शिक्षित होने से जहाँ एक ओर प्रजातंत्र की दृढ़ आधारशिला मिलती है, वहीं दूसरी ओर लोगों को अपने दायित्व के निर्वहन करने की सामर्थ्य भी प्राप्त होती है। इस दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए शिक्षा को प्रदेश के नियोजित विकास में प्रमुख स्थान दिया गया है जिसके परिणाम स्वरूप विभिन्न योजना अवधियों में शैक्षिक सुविधाओं में तीव्र गति से वृद्धि हुई है।

इन अवधियों में राष्ट्रीय शैक्षिक सिद्धान्तों के परिप्रेक्ष्य में शिक्षा पद्धति के रूपान्तरण और स्तरों के सुधार हेतु व्यापक कार्यक्रम अपनाए गए हैं। प्रदेश की निरन्तर वर्धमान जनसंख्या के सदम में और सीमित संसाधनों के अन्तर्गत क्रमिक रूप से शैक्षिक प्रगति यथा—शिक्षा की विषय वस्तु में परिवर्तन, अध्यापन की उन्नति पद्धतियों का ग्रहण—परीक्षा प्रणाली, स्तरोन्नयन, पाठ्यपुस्तक, अध्ययन, अध्यापन और प्रशिक्षण में सुधार हेतु प्रबल प्रयत्न होते रहे हैं।

शिक्षा के प्रमुख स्तरों पर हमारी नीतियाँ एवं कार्य-नीतियाँ निम्नवत् हैं :—

प्राथमिक शिक्षा—1—6 से 14 वर्ष तक के आयु के बच्चों को निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा प्रदान करना। इस हेतु प्राथमिक शिक्षा के सार्वजनिकरण के कार्यक्रम को सर्वाधिक अग्रता प्रदान की जा रही है और बजट का काफी बड़ा अंश इस आधारभूत कार्यक्रम पर लगाया जा रहा है।

2—ह्रास एवं अवरोध को कम करने के कारगर उपाय किए जाने हेतु वर्तमान में पहले से चले आ रहे कार्यक्रमों को और अधिक लाभप्रद बनाना तथा स्कूलों की धारण क्षमता में वृद्धि करना।

3—अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा पिछड़े वर्गों के बच्चों तथा लड़कियों को स्कूलों में भर्ती करने पर विशेष बल दिया जाता।

4—समाज के निर्बल वर्ग के छात्रों के लिए निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें, पोशाक, मध्यमह्न अल्पाहार तथा छात्रवृत्तियों की अधिकाधिक व्यवस्था करना।

5—प्राथमिक शिक्षा के परिवेश के सुधार हेतु भवनों की व्यवस्था और पुराने भवनों के रख-रखाव तथा आवश्यक उपकरण एवं शैक्षिक उपकरणों की व्यवस्था करना।

6—नये स्कूलों को सर्वेक्षण के आधार पर वरीयता क्रम में खोला जाना।

अनौपचारिक शिक्षा—परम्परागत शिक्षा प्रणाली के इस दोष का निवारण करना कि यदि किसी कारणवश एक निर्धारित आयु पर ही बालक/बालिका ने शिक्षण संस्था में प्रवेश नहीं लिया अथवा उसमें पढ़ता नहीं रहा तो उसे शिक्षा से वंचित हो जाना पड़ता था। अब प्रदेश में 6—14 वय वर्ग के बालक/बालिकाओं के लिए अनौपचारिक शिक्षा केन्द्रों द्वारा अंशकालिक शिक्षा दिये जाने का प्रबन्ध किया गया है।

गुणात्मक सुधार—1—प्रारम्भिक शिक्षा में गुणात्मक सुधार के लिए पाठ्यक्रमों में सशोधन करना, शिक्षा को पर्यावरण से जोड़ना, समाजोपयोगी उत्पादन कार्य का पाठ्यक्रम में समावेश करना तथा उसे स्कूलों के बच्चों के लिए सुसंगत बनाना ।

2—गुणात्मक सुधार के लिए स्कूलों की पाठ्यपुस्तकों के स्तर में सुधार लाना और शिक्षण तथा मूल्यांकन में गतिशील पद्धतियाँ अपनाना ।

माध्यमिक शिक्षा—1—माध्यमिक शिक्षा के क्षेत्र में उसके विकास के लिए सुनियोजित नीति का अपनाया जाना क्षत्रीय असंतुलन दूर करने हेतु नये माध्यमिक विद्यालयों को मुख्य रूप से अपेक्षाकृत कम सेवित पिछड़े क्षेत्रों में खोला जाना ।

2—गुणात्मक सुधार के कार्यक्रमों पर विशेष बल दिया जाना, जिसके अन्तर्गत पाठ्यक्रम को सभन बनाना, पाठ्यपुस्तकों का स्तर उन्नत करना, शिक्षा प्रणाली के उन्नत योग आदि सम्मिलित ह । विद्यालयों को प्रयोगशीलता की ओर उन्मुख करने के लिए विद्यालयों में अभिनव प्रयोग की एक योजना प्रारम्भ की गयी है ।

3—राष्ट्रीय नीति के सन्दर्भ में माध्यमिक शिक्षा के व्यवसायीकरण को उचित स्थान देना अत्यन्त आवश्यक है । तदनुसार माध्यमिक स्कूलों के पाठ्यक्रम में व्यवसायिक विषयवस्तु को उचित स्थान देने के उद्देश्य से अप्रगामी अध्ययन एवं सर्वेक्षण किया जा रहा है ।

4—विद्यालय भवन, काष्ठोपकरण, प्रयोगशालाएँ तथा सात्र-सँजजा की दृष्टि से विद्यालयों के सुदृढीकरण पर विशेष बल दिया जा रहा है ।

5—माध्यमिक शिक्षा परिषद की परीक्षा पद्धति के अभिनवीकरण हेतु एक पत्राचार शिक्षा सस्थान की स्थापना की जा रही है ।

अध्यापक प्रशिक्षण—अध्यापकों के व्यावसायिक शिक्षण की दृष्टि से प्रारम्भिक तथा माध्यमिक दोनों ही स्तरों पर अध्यापकों के पुनर्बोधोत्तमक प्रशिक्षण केन्द्र स्थापित किए गए हैं । इसके अतिरिक्त विभिन्न पाठ्यविषयों के लिए शिक्षा अध्यापन पद्धति में व्यापक सुधार लाने के उद्येय से सतत् शिक्षा केन्द्र भी प्रारम्भ किए गए हैं ।

उच्च शिक्षा—उच्च शिक्षा में विस्तार के स्थान पर उसके सुदृढीकरण पर विशेष बल दिया गया है । पर्वतीय क्षेत्र में उन छात्रों, जिनके घर से 10 किलोमीटर की परिधि में उच्च शिक्षा की सुविधा उपलब्ध नहीं है, को अध्ययन करने हेतु विशेष छात्रवृत्तियाँ देने की व्यवस्था की गयी है ।

प्रौढ़ शिक्षा—राष्ट्रीय प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत 300 केन्द्रों की 32 परियोजनाएँ प्रदेश में चल रही हैं । राज्य सरकार द्वारा भी इस वर्ष 300 केन्द्रों वाली परियोजनाएँ दो मैदानी जनपदों में तथा 100 केन्द्रों वाली परियोजनाएँ एक पर्वतीय जनपद में प्रारम्भ की गयी हैं ।

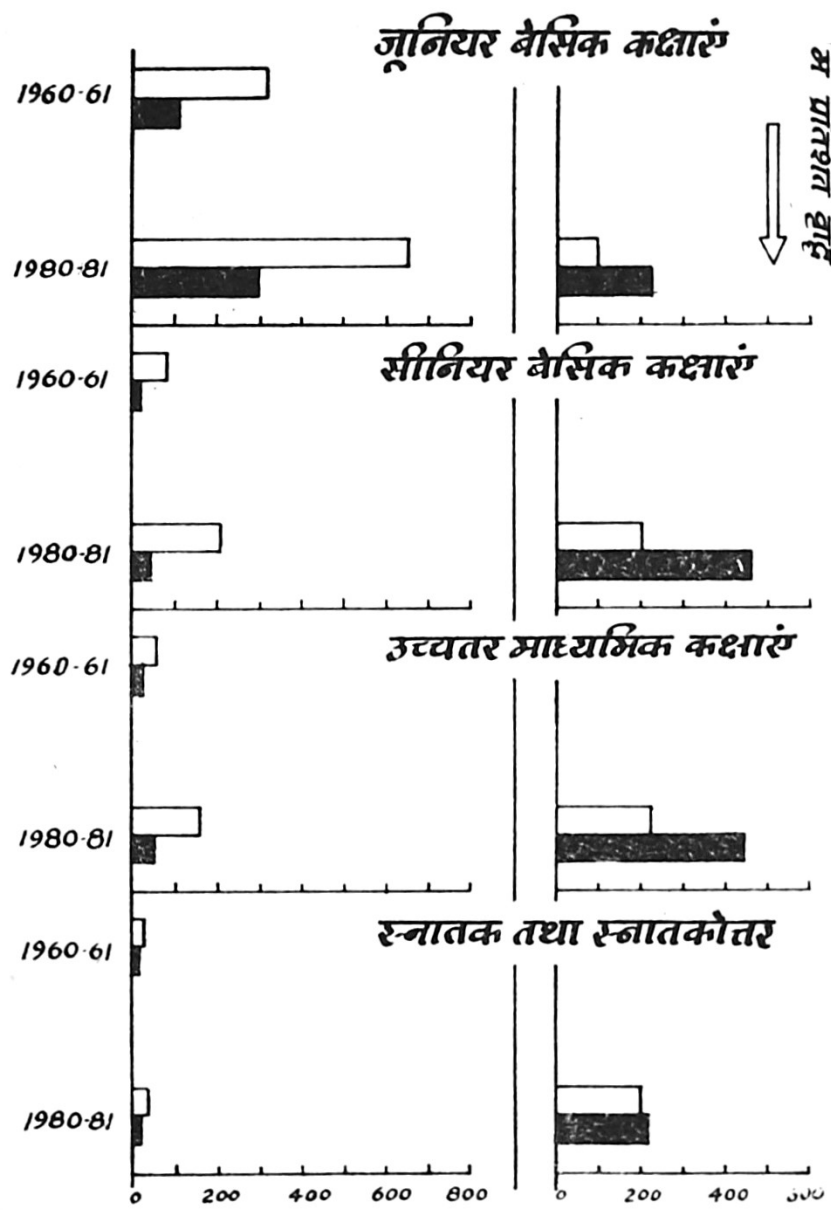
खेलकूद एवं युवक कल्याण—छात्र/छात्रों को शिक्षा के साथ सामाजिकता का प्रशिक्षण देने उनके शरीर को दृष्ट-पुष्ट बनाने एवं उन्हें चुस्त रखने के उद्देश्य से अनेक युवक कार्यक्रम संचालित किए गए हैं । इसके अन्तर्गत कतिपय व्यायाम शालाओं को अनुदान/उद्दीयमान खिलाड़ियों को प्रतियोगिताओं में भाग लेने के

उत्तर प्रदेश के स्कूल तथा कॉलेजों में छात्र-संख्या

1960-61 के पश्चात् 1980-81 में प्रतिशत वृद्धि



□ बालक ■ बालिकायें



लिए कोचिंग, विजेताओं को छात्रवृत्तियां देना तथा अपना देश अपना प्रदेश जानों आदि योजनाएँ सम्मिलित हैं। स्काउटिंग तथा गाइडिंग अब हमारी संस्थाओं में कक्षा 6-8 तक शिक्षण कार्यक्रम का अभिन्न अंग है।

अन्य कार्यक्रम—प्रदेश में शिक्षा क्षेत्र में व्याप्त अन्तर्देशीय विषमताओं को दूर करने के उद्देश्य से तथा पिछड़े क्षेत्रों में त्वरित विकास सुनिश्चित करने हेतु वर्ष 1980-81 में एक करोड़ रुपये की योजनाएँ स्वीकृत की गयी हैं।

मान्यताप्राप्त शिक्षण संस्थाओं में कक्षा 7 से लेकर विश्वविद्यालय स्तर तक किसी कक्षा में अध्ययनरत ऐसे छात्रों को, जिनके अभिभावकों की जोतों एवं उनके गांव, जहाँ के वे निवासी हैं, की कृषि की 50% या इससे अधिक की हानि हुई हो अथवा उनके अभिभावक ऐसे गांवों के भूमिहीन खेतिहर मजदूर हों, माह अगस्त 1980 से जनवरी 1981 तक क शिक्षण शुल्क के भुगतान से मुक्त कर दिया गया है।

शिक्षा विभाग के अधीन माध्यमिक शिक्षा के कतिपय शिक्षण तथा निरीक्षण शाखा के पदों के सम्बर्णों का विकेंद्रीकरण तथा अधीनस्थ शिक्षा सेवा (राजपत्रित) तक के पदों का पर्वतीय क्षेत्र का अलग सम्बर्ण बनाए जाने का निर्णय लिया गया है ताकि पर्वतीय क्षेत्र के शिक्षा प्रशासन का सुदृढीकरण हो सके।

शासन ने एक अप्रैल, 1980 से सहायता प्राप्त जूनियर हाईस्कूलों के शिक्षक तथा शिक्षणोत्तर कर्मचारियों को भकान किराया भत्ता देने की स्वीकृति प्रदान कर दी है। यह भत्ता 5 महानगरो तथा 17 अन्य नगरों में स्थित स्कूलों के ऐसे शिक्षकों/कर्मचारियों को अनुमन्य होगा जिनका मूल वेतन 750,- रु प्रतिमास से अधिक है।

राज्य निधि से सहायता प्राप्त जूनियर हाईस्कूलों के शिक्षणोत्तर कर्मचारियों को भी 1 अप्रैल, 1980 से राजकीय कर्मचारियों की अनुमन्य दरों पर पेंशन की सुविधा इन विद्यालयों के शिक्षकों की भांति प्रदान की गयी है।

शिक्षा विभाग के विभिन्न स्तरों पर नियोजन तथा अनुश्रवण हेतु एक नियोजन अनुश्रवण एवं मूल्यांकन कोष्ठक की स्थापना शिक्षा निदेशालय में की गयी है।

देश तथा समाज की नवीन आवश्यकताओं एवं राष्ट्रीय अपेक्षाओं के परिप्रेक्ष्य में शिक्षा जगत में नये अध्याय उदघटित हो रहे हैं। अतः सभी स्तरों की शिक्षा में पोषण पर्यावरण, प्रदूषण, जनसंख्या, शिक्षा, समाजोपयोगी उत्पादक कार्य, अन्तर्राष्ट्रीय मातृत्व आदि से सम्बद्ध प्रासंगिक विन्दुओं का समावेश किया जा रहा है। राष्ट्र की नवीन पीढी में स्वस्थ राष्ट्रियता, पारस्परिक सहोदर, सहिष्णुता, व्यापक मानव-कल्याण आदि मूल्यों के विकास का गुरुतर दायित्व हमारे विद्यालयों, विश्वविद्यालयों तथा सभी शिक्षा संस्थाओं पर है। इस सन्दर्भ में शिक्षकों, प्राध्यापकों तथा शिक्षा से सम्बद्ध अधिकारियों एवं व्यक्तियों की भूमिका अत्यधिक महत्वपूर्ण है।

अध्याय—2

प्राथमिक शिक्षा

1—पूर्व प्राथमिक (शििशु) शिक्षा—नर्सरी शिक्षा आयु वर्ग 3-7 वर्ष के बालक/बालिकाओं को दी जाती है। अधिकांश पूर्व प्राथमिक शिक्षा की व्यवस्था निजी संस्थाओं द्वारा की जाती है। इस समय प्रदेश में 88 नर्सरी विद्यालय चल रहे हैं जिनमें केवल नर्सरी की शिक्षा दी जाती है। ये सभी नगर क्षेत्र में स्थित हैं। शिशु शिक्षा महंगी होने के कारण शासन द्वारा स्वयं प्रयोगात्मक रूप से प्रशिक्षण संस्थाओं से सम्बद्ध 10 राजकीय शिशु केन्द्र चलाए जा रहे हैं। सरकार द्वारा कतिपय अशासकीय मान्यता प्राप्त नर्सरी विद्यालयों को आवर्तक एवं अनावर्तक अनुदान दिया जाता है। इन केन्द्रों पर 18,097 बालक तथा 11,522 बालिकाएँ कुल 29,619 बच्चे नामांकित हैं।

2—प्राथमिक शिक्षा (जूनियर बेसिक)—(1) संविधान के निर्देशक सिद्धान्तों के अनुरूप प्राथमिक शिक्षा के प्रसार के लिए अत्यधिक प्रयास किया जा रहा है। प्राथमिक शिक्षा में सार्वजनिकरण के लक्ष्य की प्राप्ति हेतु बच्चों को घर से मैदानी क्षेत्र में 1.5 किलोमीटर तथा पर्वतीय क्षेत्र में 1 किलोमीटर की परिधि में 1 जूनियर बेसिक स्कूल उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है।

(2) इस समय प्रदेश में 70,931 मिश्रित जूनियर बेसिक स्कूल चल रहे हैं। जिनमें से 64,237 स्कूल ग्रामीण क्षेत्र में स्थित हैं। प्रदेश में जूनियर बेसिक स्कूलों में 94,37,389 छात्र/छात्राएँ अध्ययनरत हैं जिनमें 63,98,240 बालक तथा 30,39,149 बालिकाएँ हैं। अध्यापक/अध्यापिकाओं की संख्या 2,44,712 है जिनमें 43,404 महिलाएँ हैं।

कक्षा 1-5 में अध्ययन कर रहे छात्र/छात्राओं की कुल संख्या 94,47,300 है जिनमें 30,42,227 बालिकाएँ हैं।

(3) वर्ष 1980-81 में 250 (120 मैदानी क्षेत्र में तथा 130 पर्वतीय क्षेत्र में) जूनियर बेसिक स्कूल ग्रामीण क्षेत्रों में तथा 32 (26 मैदानी तथा 6 पर्वतीय) जूनियर बेसिक स्कूल नगर क्षेत्र में खोले गए।

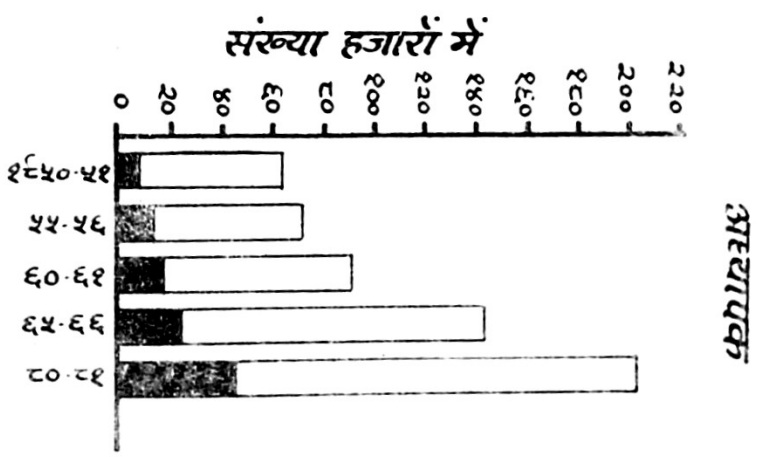
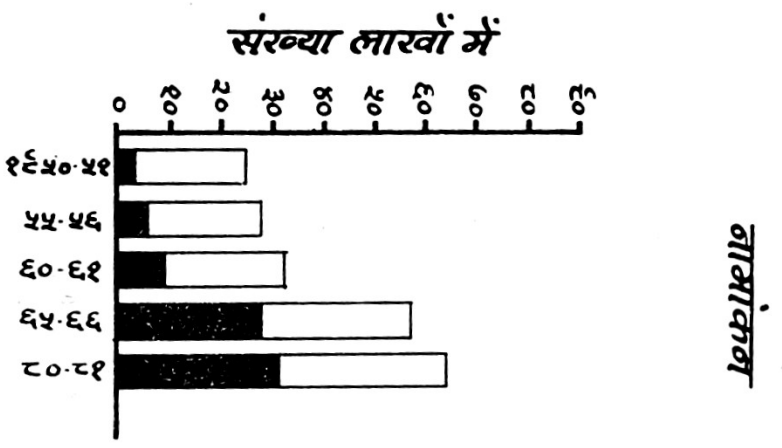
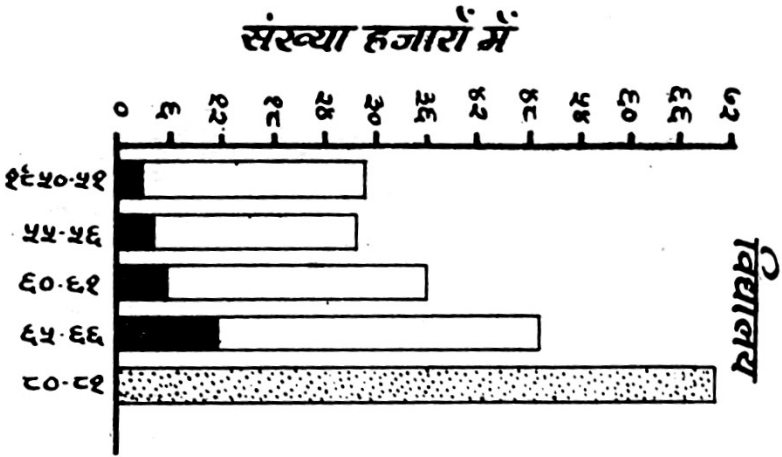
(4) विद्यालयों की धारण क्षमता बढ़ाने के सन्दर्भ में सबसे अधिक विचारणीय बिन्दु विद्यालय भवनों का है। वर्ष 1980-81 में 232 (190 मैदानी तथा 42 पर्वतीय) प्राइमरी स्कूल भवन निर्माण हेतु 93 लाख रुपया स्वीकृत किया गया। इसके अतिरिक्त पर्वतीय जिलों के 1481 भवनों की विशेष मरम्मत हेतु 69.70 लाख रुपया स्वीकृत किया गया।

(5) प्राइमरी स्कूलों में विज्ञान शिक्षण में सुधार हेतु 8166 (6666 मैदानी तथा 1500 पर्वतीय) विद्यालयों को अनुदान स्वीकृत किया जायेगा।

(6) ग्रामीण क्षेत्रों में छात्रसंख्या में वृद्धि तथा स्थिरता हेतु बालिकाओं तथा निचले वर्ग के बालकों को पाठ्यपुस्तकों के वितरणार्थ प्रोत्साहन अनुदान स्वीकृत किए गए।

जूनियर बेसिक विद्यालय

बालक युग्म
 बालिका महिला
 विभिन्न



(7) मैदानी क्षेत्र के 2050 जूनियर बेसिक स्कूलों में शिक्षण सामग्री आदि हेतु अनुदान स्वीकृत किए गए ।

(8) 40,000 (20,000 मैदानी तथा 20,000 पर्वतीय) निबल वर्ग के बच्चों को पोशाक वितरण हेतु अनुदान स्वीकृत किए गए ।

(9) ह्यास एव अवरोध के निवारण हेतु 1, 2 तथा 3 की कक्षाओं को अलग-अलग न रखकर समन्वित शिक्षा क्रम के अन्तर्गत उन्हें संचालित किया जा रहा है ।

(10) वय वर्ग 6-11 की अनौपचारिक शिक्षा व्यवस्था हेतु 5600 अशकालिक केन्द्र प्रारम्भ किए गए ।

अध्याय-3

पूर्व माध्यमिक शिक्षा

इस समय प्रदेश में 10,058 बालक तथा 3,349 बालिकाओं के कुल 13,407 सीनियर बेसिक स्कूल चल रहे हैं जिनमें 11,454 विद्यालय ग्रामीण क्षेत्र में स्थित हैं। इन विद्यालयों में 14,19,923 छात्र/छात्राएँ अध्ययन कर रही हैं जिनमें 11,11,602 बालक तथा 3,08,321 बालिकाएँ हैं। इस स्तर पर अध्यापन कार्य में कार्यरत अध्यापक/अध्यापिकाओं की संख्या 68,174 है जिनमें 16,634 महिलाएँ हैं।

कक्षा 6-8 में 28,81,180 बालक/बालिकाएँ अध्ययन कर रही हैं जिनमें बालिकाओं की संख्या 7,19,240 है।

(2) वर्ष 1980-81 में मैदानी क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्रों में 98 तथा पर्वतीय क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्रों में 46 सीनियर बेसिक स्कूल खोले गए।

(3) स्थायी मान्यता प्राप्त सीनियर बेसिक स्कूलों में कार्यरत शैक्षिक एवं शिक्षणोत्तर कर्मचारियों को 1 अप्रैल, 1980 से जूनियर हाईस्कूलों के बतन वितरण प्राधिनियम के अन्तर्गत वेतन प्रदान किया जा रहा है।

(4) पर्वतीय क्षेत्र के सहायता प्राप्त सीनियर बेसिक स्कूलों के भवन निर्माण हेतु वर्ष 1980-81 में 10 लाख रुपये का प्राविधान स्वीकृत है तथा 24 विद्यालयों के कार्यान्वित करने का लक्ष्य रखा गया है।

(5) मैदानी क्षेत्र के 20 तथा पर्वतीय क्षेत्र के 46 सीनियर बेसिक स्कूलों के भवन निर्माण हेतु 62.40 लाख रुपये स्वीकृत किए गए।

(6) कक्षा 6-8 की योग्यता छात्रवृत्तियों की दरों को 1 जुलाई, 1980 से 5 रुपये से बढ़ाकर 10 रुपये किया गया।

(7) निशुल्क पाठ्यपुस्तकों उपलब्ध कराने हेतु 1,500 (1,000 मैदानी तथा 500 पर्वतीय) सीनियर बेसिक स्कूलों में बुक बैंक स्थापित करने हेतु अनुदान स्वीकृत किए गए।

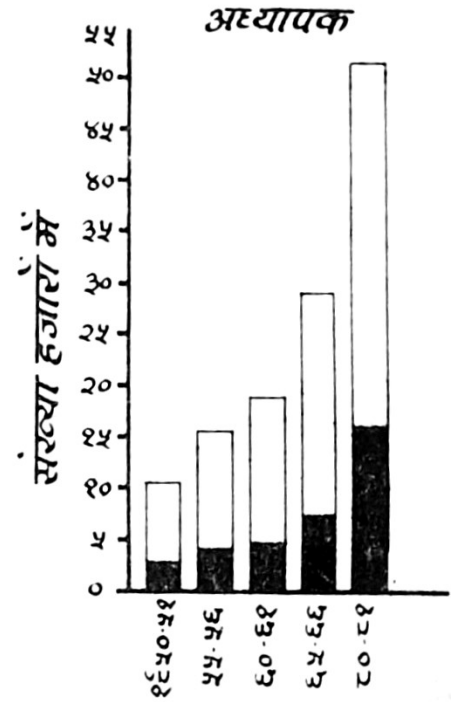
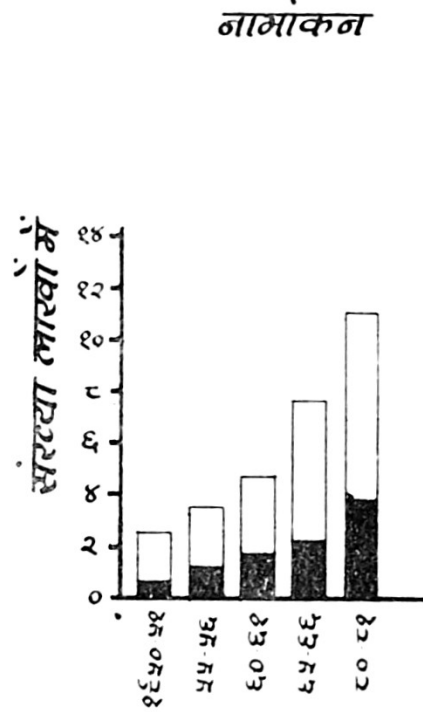
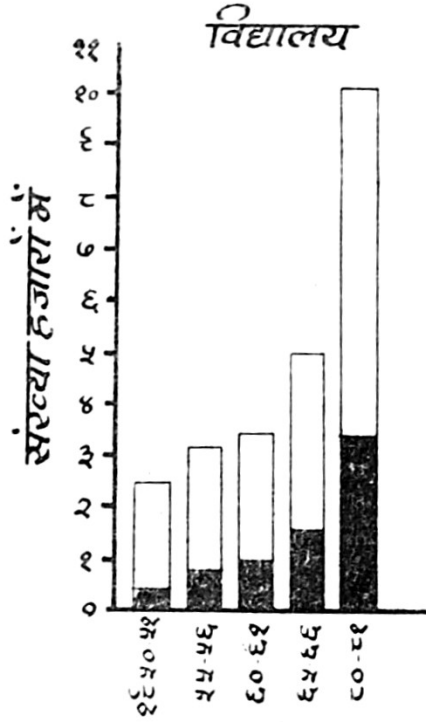
(8) 525 (400 मैदानी तथा 125 पर्वतीय) सीनियर बेसिक स्कूलों को साज-सज्जा हेतु अनुदान स्वीकृत किए गए।

(9) बेसिक विद्यालयों के 100 अध्यापक/अध्यापिकाओं को वर्ष 1979-80 की भाँति इस वर्ष भी 500 रुपये प्रति अध्यापक की दर से दक्षता पुरस्कार दिया जाएगा।

(10) अनौपचारिक शिक्षा की योजना के अन्तर्गत वय वर्ग 11-14 के 1,600 केन्द्र स्थापित किए गए।

सीनियर बेसिक विद्यालय

बालक, पुरुष
 बालिका, महिला



अध्याय-4

माध्यमिक शिक्षा

इस समय प्रदेश में 4,404 बालक तथा 806 बालिकाओं के कुल 5,210 उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चल रहे हैं। जिनमें से 3,382 विद्यालय ग्रामीण क्षेत्र में स्थित हैं। इन विद्यालयों में 26,27,185 बालक तथा 7,36,917 बालिकाएँ अध्ययन कर रही हैं। इनके अध्यापन हेतु 92,293 अध्यापक तथा 20,057 अध्यापिकाएँ कार्यरत हैं।

कक्षा 9-12 में 18,94,121 छात्र/छात्राएँ अध्ययन कर रही हैं जिनमें से छात्राओं की संख्या 3,16,272 है। वर्ष 1980-81 में निम्नलिखित कार्य प्रस्तावित हैं।

(2) वर्ष 1980-81 में मैदानी क्षेत्र में 8 तथा पर्वतीय क्षेत्र में 25 राजकीय हाई स्कूल खोले जा रहे हैं तथा 27 (2 मैदानी तथा 25 पर्वतीय) राजकीय हाई स्कूलों को इन्टर स्तर पर क्रमोन्नति की जा रही है।

(3) राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अतिरिक्त अनुभाग खोलने तथा नये विषयों का समावेश योजनान्तर्गत आलोच्य वर्ष में मैदानी क्षेत्र के 18 तथा पर्वतीय क्षेत्र के 20 राजकीय विद्यालयों में अतिरिक्त पद दिए गये हैं।

(4) वर्ष 1980-81 में प्रदेश के मैदानी जनपदों के 20 तथा पर्वतीय क्षेत्र के 6 अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के विभागीय अनुदान सूची पर लेकर उनमें कार्यरत शिक्षकों एवं शिक्षणोत्तर कर्मचारियों को उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के वेतन वितरण अघिनियम के अन्तर्गत वेतन भुगतान किया जायगा।

(5) प्रदेश के पर्वतीय क्षेत्र के 11 सहायता प्राप्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों की छात्रसंख्या में वृद्धि के फलस्वरूप अतिरिक्त कक्षा कक्ष एवं सैनेटरी निर्माण हेतु अनावर्तक विकास अनुदान स्वीकृत किया जायगा। इसी परियोजनान्तर्गत मैदानी क्षेत्र के 12 तथा पर्वतीय क्षेत्र के 13 तथा सहायता प्राप्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों को साज-सज्जा एवं उपकरण क्रयार्थ भी विकास अनुदान स्वीकृत किया जाएगा।

(6) मैदानी क्षेत्र के 7 एवं पर्वतीय क्षेत्र के 7 सहायता प्राप्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों को पुस्तकालय सम्बन्धन हेतु अनावर्तक विकास अनुदान स्वीकृत किया जायेगा।

(7) मैदानी क्षेत्र के 30 तथा पर्वतीय क्षेत्र के 18 सहायता प्राप्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों को उनके अच्छे परीक्षाफल, अनुशासन एवं सुन्दर नियन्त्रण बनाए रखने हेतु दक्षता अनुदान स्वीकृत किया जायेगा।

(8) राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में विज्ञान अध्ययन के लिए सुविधायें हेतु मैदानी क्षेत्र के 15 तथा पर्वतीय क्षेत्र के 27 विद्यालयों में विज्ञान वर्ग खोलने का आदेश दिया गया है।

(9) प्रदेश के मैदानी क्षेत्र के 72 तथा पर्वतीय क्षेत्र के 7 सहायता प्राप्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों को प्रयोगशाला निर्माण एवं उपकरण हेतु अनावर्तक अनुदान स्वीकृत करने का लक्ष्य था किन्तु अभी तक मैदानी जिलों के केवल 15 उ० मा० विद्यालयों को अनुदान स्वीकृत हुआ है।

(10) ग्रामीण क्षेत्रों के बालकों के 25 सहायता प्राप्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों को उनमें अध्ययन कर रही बालिकाओं हेतु सिनेटरी एवं प्रक्षालन कक्षादि निर्माण हेतु अनावर्तक विकास अनुदान स्वीकृत किया जायगा।

(11) वित्तीय वर्ष में मैदानी जिलों के अशासकीय उ० मा० विद्यालयों का प्रान्तीय करण किया जायेगा।

(12) चालू वित्तीय वर्ष में 30 उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों को अभिनव प्रयोग हेतु अनावर्तक अनुदान स्वीकृत किया जायेगा।

निम्नलिखित उपलब्धियाँ 1980-81 में अब तक हुई हैं :-

(1) माध्यमिक शिक्षा परिषद् को संस्थागत तथा व्यक्तिगत परीक्षार्थियों की परीक्षाएं अलग-अलग कराने हेतु शासन निर्णयानुसार संस्थागत परीक्षार्थियों की परीक्षाएं मार्च 1981 तथा व्यक्तिगत परीक्षार्थियों की परीक्षाएं मई 1981 में आयोजित की जाएगी।

(2) माध्यमिक शिक्षा परिषद् के निर्णयानुसार की 1981 के परीक्षा के लिए समस्त भाषाओं के प्रश्न-पत्र 3 के स्थान पर 2 कर दिए गये हैं। साथ ही हाई स्कूल गणित एवं सामान्य गणित के प्रश्न पत्रों की समय विधि 3 घंटे के स्थान पर ढाई घंटे कर दी गयी है।

(3) परिषद् की विकेन्द्रीयकरण योजना के अन्तर्गत एक उपकार्यालय वाराणसी में स्थापित किया गया है जो गोरखपुर तथा वाराणसी समाग के जनपदों की परीक्षाएं आयोजित करेगा।

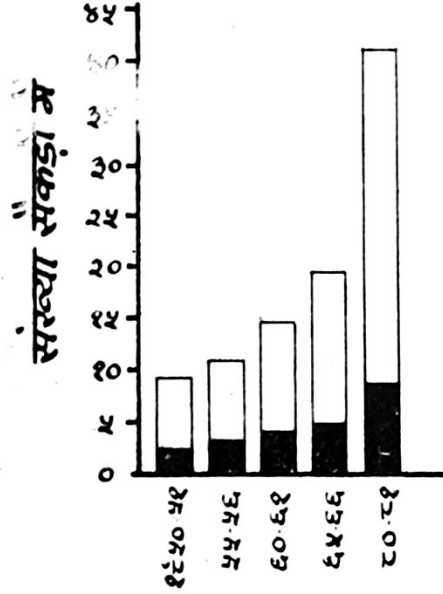
(4) कम्प्यूटर द्वारा परीक्षाफल की तैयारी की उपलब्धि के आकलन के उपरान्त शासन ने यह निर्णय लिया है कि परिषद् की 1981 की हाईस्कूल तथा इन्टरमीडिएट परीक्षा सम्बन्धी सम्पूर्ण प्रदेश के परीक्षाफल से सम्बन्धित कार्य कम्प्यूटर द्वारा कराया जाए।

(5) 1 जुलाई, 1980 से इण्टर योग्यता छात्रवृत्तियों की दरों को 25 रुपये से बढ़ाकर 40 रुपये कर दिया गया है।

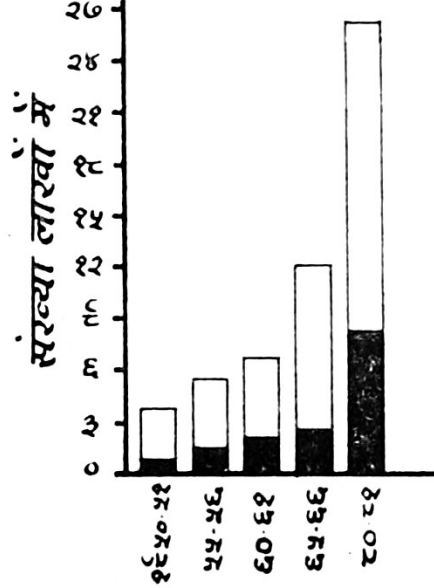
उच्चतर माध्यमिक विद्यालय

बालक, पुरुष
 बालिका, महिला

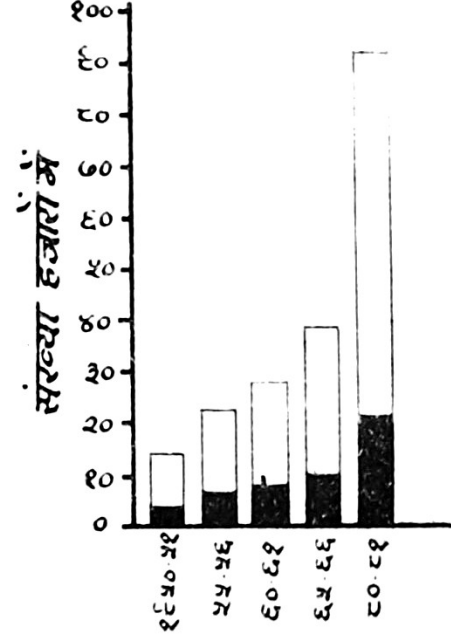
विद्यालय



नामांकन



अध्यापक



अध्याय-5

अध्यापक प्रशिक्षण

पूर्व माध्यमिक स्तर—शिक्षा संस्थाओं की अध्यापिकाओं को प्रशिक्षित करने के लिये दो राजकीय तथा तीन अराजकीय शिशु प्रशिक्षण महाविद्यालय चल रहे हैं। इनमें दो वर्षीय सी० टी० (नर्सरी) पाठ्यक्रम के अन्तर्गत प्रतिवर्ष 150 महिलाओं को प्रशिक्षित करने हेतु प्रवेश स्थान उपलब्ध रहता है।

बी० टी० सी० प्रशिक्षण को दो वर्ष कर दिया गया है। राज्य में पुरुषों के 61 तथा महिलाओं के 41 दीक्षा विद्यालय संचालित हैं। इसके अतिरिक्त 15 जनपदों में बालिका उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में बी० टी० सी० इकाइया चल रही हैं। प्रारम्भिक स्तर के अध्यापकों को सेवारत प्रशिक्षण देने के लिये 6 सेवारत प्रशिक्षण केन्द्र चल रहे हैं। उच्च दीक्षा विद्यालयों के अतिरिक्त वर्ष 1978-79 से लखनऊ, आगरा, मुरैठ और वाराणसी की राजकीय प्रशिक्षण संस्थाओं में उर्दू के बी० टी० सी० प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई है। अप्रशिक्षित अध्यापकों को पत्राचार द्वारा बी० टी० सी० प्रशिक्षण देने का कार्य राज्य-शिक्षा संस्थान, इलाहाबाद द्वारा किया जा रहा है।

1 से 3 तक के गृह विज्ञान तथा शारीरिक शिक्षा सम्बन्धी अध्यापक अध्यापिकाओं को प्रशिक्षण देने हेतु निम्नलिखित संस्थायें चल रही हैं :—

	पुरुष	महिला	योग
1—राजकीय गृह विज्ञान सी० टी० कालेज ..	—	1	1
2—राजकीय शारीरिक प्रशिक्षण महाविद्यालय ..	1	1	2
3—शारीरिक प्रशिक्षण महाविद्यालय ..	2	—	2

एल० टी० स्तर—इस स्तर पर अध्यापकों को प्रशिक्षित करने हेतु प्रदेश में पांच राजकीय तथा सात अशासकीय एल० टी० प्रशिक्षण महाविद्यालय हैं। इनमें से 2 महिलाओं के तथा 3 पुरुषों के राजकीय महाविद्यालय हैं। इन विद्यालयों की प्रवेश क्षमता निम्नवत् है :—

1—राजकीय केन्द्रीय अध्यापक संस्थान, इलाहाबाद ..	100
2—राजकीय महिला प्रशिक्षण महाविद्यालय, इलाहाबाद ..	100
3—राजकीय महिला गृह विज्ञान प्रशिक्षण महाविद्यालय, इलाहाबाद	30
4—राजकीय बेसिक प्रशिक्षण महाविद्यालय, वाराणसी ..	120
	{ 60 पुरुष 60 महिला
5—राजकीय रचनात्मक प्रशिक्षण महाविद्यालय, लखनऊ ..	175
	{ 80 विज्ञान 95 रचनात्मक

6—के० पी० प्रशिक्षण महाविद्यालय, इलाहाबाद	..	100
7—किसीरी रमण ट्रेनिंग कालेज, मथुरा	..	80
8—डी० ए० बी० ट्रेनिंग कालेज, कानपुर	..	100
9—सकलहीहा प्रशिक्षण महाविद्यालय (वाराणसी)	..	100
10—दिग्विजय नाथ प्रशिक्षण महाविद्यालय, गोरखपुर	..	120
11—किसान प्रशिक्षण महाविद्यालय, बस्ती	..	80
12—क्रिश्चियन ट्रेनिंग महाविद्यालय, लखनऊ	..	100

इस प्रकार एल० टी० स्तर के प्रशिक्षण हेतु 1285 अभ्यर्थियों/अभ्यर्थिनियों के प्रवेश की व्यवस्था है।

वर्ष 1980-81 से प्रदेश के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के अध्यापकों के लिए पुनःशिक्षण एवं पुनर्वर्षात्मक प्रशिक्षण सम्बन्धी योजना प्रारम्भ की गई है। यह योजना इस वर्ष केवल राजकीय सेन्ट्रल पेडागॉजिकल इन्स्टीट्यूट, इलाहाबाद, राजकीय रचना-त्मक प्रशिक्षण महाविद्यालय, लखनऊ तथा राजकीय बेसिक प्रशिक्षण महाविद्यालय, वाराणसी में की गई है।

अध्याय—६

उच्च शिक्षा

उच्च शिक्षा की सुविधा के लिये प्रदेश में 19 विश्वविद्यालय चल रहे हैं इन विश्वविद्यालयों में रुडकी (सहारनपुर) स्थित इजीनियरिंग विश्वविद्यालय, पन्तनगर (नैनीताल) स्थित कृषि विश्वविद्यालय, वाराणसी स्थित सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय एवं काशी विद्यापीठ, फैजाबाद स्थित नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक तथा कानपुर स्थित चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय सम्मिलित हैं। इसके अलावा लखनऊ, इलाहाबाद, आगरा, वाराणसी, अलीगढ़, गोरखपुर, मेरठ, नैनीताल, श्रीनगर (पीडी गढ़वाल), झांसी, फैजाबाद तथा बरेली में एक-एक विश्वविद्यालय संचालित हैं। गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार (सहारनपुर) को विश्वविद्यालय जैसी सस्था का स्तर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्राप्त है।

(2) सत्र के प्रारम्भ में 346 अशासकीय एवं 38 राजकीय महाविद्यालय थे। अशासकीय विद्यालयों में 271 पुरुष के तथा 75 महिलाओं के थे।

(3) चालू सत्र में निम्नलिखित राजकीय विद्यालयों में नये सकायो तथा विषयों में स्नातक/स्नातकोत्तर स्तर पर नई कक्षाएँ प्रारम्भ की गईं :

- (1) राजकीय रजा स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रामपुर।
- (2) राजकीय महाविद्यालय, महमूदाबाद, सीतापुर।
- (3) राजकीय महाविद्यालय, चरखारी, हमीरपुर।
- (4) राजकीय महाविद्यालय, बंजाहार, रायबरेली।
- (5) राजकीय महिला महाविद्यालय, देवरिया।

(4) शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर वर्ष 1980-81 में 867 नवीन छात्र-वृत्तियाँ तथा विगत वर्षों की छात्रवृत्तियों का नवीनीकरण एवं शिक्षा संहिता के विभिन्न अनुच्छेदों के अनुसार आर्थिक सहायता के निमित्त 52,87,000 रुपये की धनराशि स्वीकृत करने का प्राविधान है। इस धनराशि के अन्तर्गत विभिन्न छात्र-वृत्तियों का विवरण निम्नवत् है :

(अ) प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों के अध्यापकों की सन्तानों की योग्यता छात्रवृत्ति के अन्तर्गत स्नातक स्तर पर शोधकार्य करने वाले छात्रों को 75 ₹ से 100 ₹ की छात्रवृत्ति तथा 35 ₹ से 25 ₹ की छात्रवासी धनराशि देने हेतु 2,13,000 ₹ का प्राविधान है, छात्रों से प्रगति आस्था प्राप्त होने पर इन छात्रवृत्तियों की स्वीकृति एवं नवीनीकरण किया जाता है।

(ब) राष्ट्रीय छात्रवृत्ति योजना के अन्तर्गत हाई स्कूल की श्रेष्ठता सूची के आधार पर स्नातक कक्षाओं में तथा जो छात्र प्राविधिक शिक्षा में प्रवेश लेते हैं, उन्हें 75/ ₹ तथा 100 ₹ की छात्रवृत्ति तथा 35 ₹ एवं 25 ₹ की छात्रवासी धनराशि स्वीकृत की जाती है। इसी प्रकार स्नातक श्रेष्ठता-सूची के आधार पर स्नातकोत्तर कक्षाओं में पढ़ने वाले छात्र/छात्राओं को 100 ₹ छात्रवृत्ति एवं 25 ₹ छात्रवासी धनराशि स्वीकृत करने हेतु 40,40,000 ₹ का प्राविधान है।

- (स) प्रतिरक्षा कर्मचारियों के बच्चों के लिए 200 छात्रवृत्तियाँ स्वीकृत करने हेतु 60,000 रु का प्राविधान किया गया है ।
- (द) इंडियन स्कूल आफ इंटरनेशनल स्टडीज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में शोध कार्य करने वाले उत्तर प्रदेश के दो छात्र/छात्राओं को 300 रु प्रतिमाह की छात्रवृत्ति स्वीकृत करने हेतु 29,000 रु का प्राविधान है । यह छात्रवृत्ति शोधरत छात्रों को चार वर्षों तक दी जाती है ।
- (य) स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के बच्चों एवं आश्रितों को डिग्री स्तर पर छात्रवृत्तियाँ एवं आर्थिक सहायता हेतु 3,88,000 रु का प्राविधान है ।
- (र) सीमा-सुरक्षा दल के कर्मियों के बच्चों एवं आश्रितों को शैक्षिक सुविधायें प्रदान करने हेतु पर्वतीय जिलों के लिए 1,000 रु का प्राविधान है ।
- (5) विश्वविद्यालय तथा महाविद्यालयों में अध्ययनरत छात्र/छात्राओं को इस सत्र में वार्षिक पुस्तकीय छात्रवृत्ति स्वीकृत करने हेतु एवं उक्त छात्रवृत्ति एवं पुस्तकीय सहायता के धनराशि में बढ़ोत्तरी के फलस्वरूप 7,61,000 रु एवं 35,000 रु का प्राविधान किया गया है ।
- (6) पर्वतीय जिलों के समान्य एवं प्राविधिक शिक्षा को ग्रहण करने हेतु छात्र/छात्राओं को छात्रवृत्तियाँ एवं पुस्तकीय सहायता स्वीकृत हेतु वर्ष 1980-81 में 2,25,000 रु का प्राविधान है ।
- (7) पर्वतीय जिलों के सेवित/असेवित क्षेत्र के छात्र/छात्राओं को छात्रवृत्ति स्वीकृत करने के लिये एक योजना 1980-81 से कार्यान्वयन हेतु विचाराधीन है ।
- (8) विद्यार्थियों की पढ़ाई की क्षति न होने के उद्देश्य से सहायता प्राप्त अशासकीय महाविद्यालयों के शिक्षकों को शैक्षिक सत्र वर्ष 1979-80 के ग्रीष्मावकाश की पूरती अवधि में अध्यापन कार्य करने के बदले एक माह का अतिरिक्त वेतन स्वीकृत किया गया ।
- (9) दिनांक 2-6-80 से सभी स्नातकोत्तर महाविद्यालयों के प्रधानाचार्यों को 50 1,500-2,500 का वेतनमान स्वीकृत किया गया है, पुरुषों के स्नातक महाविद्यालयों जिनकी छात्र संख्या 2000 या इसके ऊपर है तथा महिलाओं के स्नातक कालेज जिनकी छात्र संख्या 1400 या इसके ऊपर है, के प्रधानाचार्यों/प्रधानाचार्याओं को भी उक्त वेतनमान प्रदान किया गया है ।

अध्याय--7

प्रौढ़ शिक्षा

राष्ट्रीय प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य समाज के निरक्षर निर्बल वर्ग के वयस्को की दशा में सुधार लाना है। जिससे कि वह अपने व्यक्तिगत पारिवारिक, सामाजिक जीवन को सुन्दर एवं समुन्नत बनाते हुये राष्ट्र की मुख्य विकासधारा में समुचित योगदान कर सकें।

इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु इस कार्यक्रम में निरक्षर वयस्कों को साक्षर बनाने के साथ-साथ इस बात पर भी बल दिया गया है कि उन्हें समाज में हो रहे विभिन्न विषम कार्यों के प्रति जागरूक बनाया जाय और उनकी कार्य क्षमता के स्तर को ऊँचा उठाया जाय।

उत्तर प्रदेश में 1971 की जनगणना के अनुसार 15-35 वय वर्ग के निरक्षर वयस्को की संख्या लगभग 1.79 करोड़ थी। जिनमें 0.72 करोड़ पुरुष और 1.07 करोड़ महिलाएं थी। पुरुषों में निरक्षरता 52.8 प्रतिशत है और स्त्रियों में यह संख्या 85.1 प्रतिशत है। (15-35 वय वर्ग) अनुसूचित जातियों में निरक्षरता का प्रतिशत 89.80 तथा अनुसूचित जनजातियों में यह प्रतिशत 85.41 है। देहाती क्षेत्रों में निरक्षरता शहरी क्षेत्रों की अपेक्षा अधिक है।

उपर्युक्त वय वर्ग के प्रदेश के कुल व्यक्तियों में केवल 31.6 प्रतिशत व्यक्ति ही साक्षर है। प्रदेश के पूर्वी-क्षेत्रों में साक्षरता की स्थिति अधिक शोचनीय है। सारिणी--(22) साक्षरता के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश का देश में 18 वा स्थान है। इससे स्पष्ट है कि प्रदेश की जनसंख्या का 2/3 से अधिक भाग ऐसा है जो निरक्षरता एवं तदजन्य सीमाओं के कारण समाज कल्याण एवं आर्थिक विकास के कार्यक्रमों में प्रभावी योगदान देने में व उसके लाभों का उपयोग करने में सम्यक् रूप से समर्थ नहीं है। प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रदेश के इसी महत्वपूर्ण किन्तु दुर्बल अंग को समर्थ बनाना है।

अशिक्षा से व्याप्त इस सामाजिक अभिशाप को दूर करने के लिये प्रदेश में 2 अक्टूबर, 1978 को राष्ट्रीय प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया।

1--कार्यक्रम की प्रगति एवं नियोजन

अनौपचारिक शिक्षा कार्यक्रमों के अन्तर्गत प्रदेश में 15-35 वय वर्ग के लिये वर्ष 1978-79 से योजना चलाई जा रही है। कुल अवधि में शिक्षित हुये प्रौढ़ों और अवशेष निरक्षर व्यक्तियों की स्थिति निम्नवत् है--

1. वर्ष 1971 की जनगणना के आधार पर 15-35 वय वर्ग के निरक्षर प्रौढ़ों की संख्या ..	1.80 करोड़
2. 1.80 करोड़ का 65 प्रतिशत जिन्हे छठी पंचवर्षीय योजना में शिक्षित किया जाना है ..	1.17 करोड़
3. उपर्युक्त अवधि में शिक्षित किये गये व्यक्तियों की संख्या—	
(क) वर्ष 1978-79 ..	1,40,761
(ख) वर्ष 1979-80 ..	1,19,066
	योग 2,59,827

4. अवशेष प्रौढ़ जिन्हे योजनावधि वर्ष 1980-85 में शिक्षित किया जाना है 1,14,40,173

वर्ष 1979-80 में स्वीकृत भारत सरकार की सहायता से 300 केन्द्रों की 32 परियोजनाएँ वर्ष 1980-81 में 32 जनपदों के दो-दो सन्निकट विकास खण्डों में (सारणी-23) चलाई जा रही हैं। उक्त परियोजनाओं के अन्तर्गत कुल 9600 प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र स्थापित किए जाने का प्रविधान है तथा इनसे लगभग 2 लाख 88 हजार निरक्षर प्रौढ़ों को साक्षर एवं शिक्षित बनाया जायगा। इस ग्रामीण कार्यात्मक साक्षरता योजना के अन्तर्गत 31, दिसम्बर 1980 तक खोले गये प्रौढ़ शिक्षा केन्द्रों (सारणी-24) में 15-35 वय वर्ग के प्रतिभागियों का विवरण निम्नवत् है :—

कुल प्रतिभागियों में।

प्रौढ़ शिक्षा केन्द्रों की संख्या	कुल प्रतिभागियों की संख्या	पुरुषप्रतिभा की संख्या	महिला प्रतिभा की संख्या	अनु 0 जाति की संख्या	अनु 0 जनजाति की संख्या
1	2	3	4	5	6
9485	243088	165975	77113	72125	6543

नवम्बर के अन्त में प्रदेश में 9167 केन्द्र संचालित थे। इसमें यदि बहराइच जिले के उन 154 केन्द्रों को भी जोड़ दिया जाय जिनकी अवधि समाप्त हो चुकी हो तो अब तक कुल खोले गये केन्द्रों की संख्या 9321 हो जाती है।

उपर्युक्त केन्द्रों में से 581 केन्द्रों का 10 माह का सत्र दिसम्बर 31, 1980 तक समाप्त हो गया इन केन्द्रों के स्थान पर 10 माह के लिए प्रौढ़ शिक्षा केन्द्रों का द्वितीय चक्र चलाने हेतु आवश्यक व्यवस्थाएँ की जा रही हैं। वर्ष 1980-81 में ही राज्य सरकार के ससाधनों से 300 केन्द्रों की एक-एक परियोजना जनपद सुल्तानपुर के विकास खण्ड अमेठी तथा गौरीगंज में और जनपद वाराणसी के विकास खण्ड देवा तथा बंकी में तथा 100 केन्द्रों की एक परियोजना जनपद नैनीताल के विकासखण्ड रामगढ में संचालित करने के आदेश शासन द्वारा निर्यत किए गये। इसके अतिरिक्त हरिजन एवं समाज कल्याण विभाग के सहयोग से विशेष अशदान योजना के अन्तर्गत 300 केन्द्रों की एक और परि योजना जनपद लखनऊ के विकासखण्ड मलीहाबाद तथा ककौरी में मुख्यत अनुसूचित जाति एवं जन-जाति के व्यक्तियों को लाभान्वित करने के लिए संचालित

करने के आदेश भी शासन द्वारा निर्गत किए गये । इन चारो परियोजनाओ के अन्तर्गत 1000 प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र खोलने और उनके द्वारा 30,000 निरक्षर प्रौढ़ो को लामाबिन्त करने हेतु आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही है ।

अ—प्रबन्ध—

राज्य स्तर पर—

(क) राज्य प्रौढ़ शिक्षा परिषद्—राज्य स्तर पर मुख्य मन्त्री जी की अध्यक्षता में एक राज्य प्रौढ़ शिक्षा परिषद् का गठन किया गया । परिषद् का उद्देश्य नीति सम्बन्धी मार्गदर्शन तथा कार्यक्रम की प्रगति का समय-समय पर मूल्यांकन करना है ।

(ख) संचालन समिति (स्टियरिंग कमेटी)—कार्यक्रम के संचालन हेतु मुख्य अर्थीय की अध्यक्षता में एक संचालन समिति गठित की गई है । इस समिति द्वारा विकास-कार्य क्रमो और प्रौढ़ शिक्षा के बीच समन्वय स्थापित करने का कार्यक्रम तैयार करने तथा उसके कार्यान्वयन के बारे में कई ठोस कदम उठाये गये हैं ।

जिला स्तर पर—

जिला प्रौढ़ शिक्षा समिति—जिला स्तर पर प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम को सम्यक् रूप से चलाने के लिए जिला प्रौढ़ शिक्षा समिति की स्थापना की गई है । जिलाधिकारी इस समिति का अध्यक्ष होता है तथा शिक्षा प्रौढ़ शिक्षा अधिकारी उसका सदस्य सचिव । समिति के सदस्य जिला विकास अधिकारी, विभिन्न विभागों के जनपदीय स्तर के अधिकारी शिक्षाविद्, प्रौढ़ शिक्षा में रूचि रखने वाले एव स्वैच्छिक संस्थाओ से संबंधित व्यक्ति आदि होते हैं इस समिति का उद्देश्य जिला प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम का मार्गदर्शन करना ही है ही, अन्तर्विभागीय सहयोग और समन्वय प्राप्त करना भी है जिससे प्रौढ़ शिक्षा का कार्य प्रभावी ढंग से चल सके ।

ग्राम स्तर पर—प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र समिति—केन्द्र समिति के अन्तर्गत अनुदेशक एवं प्रतिभागी, गाव के अन्य प्रमुख व्यक्ति मिल कर चर्चा करते हैं एव कार्यक्रम की कमी को सुधारते हुए मविष्य में उसे प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए योजना बनाई जाती है ।

अ—प्रशासन—प्रदेश के शिक्षा निदेशालय में पृथक से एक प्रौढ़ शिक्षा अनुभाग की स्थापना की गई है जिसमें अतिरिक्त शिक्षा निदेशक प्रौढ़ शिक्षा के नियन्त्रणाधीन दो उप शिक्षा निदेशक (प्रौढ़ शिक्षा) दो सहायक निदेशक (प्रौढ़ शिक्षा) एक शोध अधिकारी तथा एक सहायक शोध अधिकारी कार्यरत हैं । सहायक निदेशक (प्रौढ़ शिक्षा) का एक अतिरिक्त पद भी हाल में सृजित किया गया है ।

जिला स्तर पर एक जिला प्रौढ़ शिक्षा अधिकारी तथा परियोजना स्तर पर एक परियोजना अधिकारी व एक सहायक परियोजना अधिकारी नियुक्त किये गये हैं । प्रत्येक 30 प्रौढ़ शिक्षा केन्द्रों पर एक पर्यवेक्षक/पर्यवेक्षिका की नियुक्ति की गई है । इस प्रकार 300 केन्द्रों की एक परियोजना में 10 पर्यवेक्षक/पर्यवेक्षिकाये कार्यरत हैं । इनका कार्य प्रौढ़ शिक्षा केन्द्रों का सर्वेक्षण एव पर्यवेक्षण करना है ।

प्रत्येक केन्द्र के लिये एक अशकालिक अनुदेशक की दर से 300 केन्द्रों की एक परियोजना के लिये 300 अनुदेशकों की नियुक्ति की गई है । इनका प्रशिक्षण भी पूरा हो चुका है । प्रौढ़ शिक्षा केन्द्रों के संचालन की जिम्मेदारी इन्हीं अनुदेशकों की होती है । इन्हें 50 रुपये मासिक मानदेय के रूप में दिया जाता है । इनकी नियुक्तिया केन्द्र की अवधि के अनुसार 10 मास की होती है ।

3—प्रशिक्षण

प्रौढ़ शिक्षा में लग विभिन्न स्तरीय कर्मचारियों तथा अधिकारियों के लिये कार्यक्रमोचित प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई है। अभिनवीकरण गोष्ठियों तथा पुनर्बोधोत्सव प्रशिक्षण इसके महत्वपूर्ण अंग हैं साक्षरता निकेतन, लखनऊ तथा राष्ट्रीय नियोजन एवं प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली में प्रौढ़ शिक्षा में कार्यरत अधिकारियों को कार्यक्रम में प्रशिक्षित किया गया है। पर्यवेक्षकों तथा अनुदेशकों के प्रशिक्षण की व्यवस्था क्षेत्रीय शिक्षा संस्थानों एवं दीक्षा विद्यालयों में की गयी छठी पंचवर्षीय योजना में प्रशिक्षण पक्ष को और अधिक समुन्नत तथा प्रभावी बनाने की योजना विचाराधीन है।

4—राज्य साधन केन्द्र

साक्षरता निकेतन, लखनऊ प्रदेश का राज्य साधन केन्द्र है तथा प्रमुख रूप से विभिन्न अधिकारियों व विभिन्न अंचल के लिये प्रौढ़ शिक्षा साहित्य का निर्माण कर रहा है। साहित्य निर्माण के अतिरिक्त साक्षरता निकेतन कार्यक्रम से संबंधित विभिन्न स्तरीय अधिकारियों/कर्मचारियों को दीक्षित करने का कार्य भी करता है। अनुदेशकों एवं पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षित करने वाले क्षेत्रीय शिक्षा संस्थानों के सदस्य व्यक्तियों/प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण व पुनःप्रशिक्षण का दायित्व भी इसी संस्था पर है।

राष्ट्रीय प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम का संदेश प्रसारित करने तथा उसके विभिन्न पहलुओं पर पठनीय सामग्री उपलब्ध करने के उद्देश्य से जुलाई 80 से "अनुदेश" नामक मासिक पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है।

5.17 समितियाँ—

राष्ट्रीय प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम के सुचारु कार्यान्वयन एवं अन्तर्विभागीय समन्वय की दृष्टि से उपरिसर्दभित राज्य प्रौढ़ शिक्षा परिषद्, स्टीयरिंग कमेटी, जिला प्रौढ़ शिक्षा समिति व केन्द्र समिति के अतिरिक्त, अन्य समितियों का भी गठन किया गया है, जिनमें राष्ट्रीय प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम के क्षेत्र में कार्यरत स्वैच्छक संस्थाओं से समन्वय हेतु गठित समिति तथा राज्य समाज कल्याण विभाग से समन्वय हेतु गठित समिति उल्लेखनीय हैं।

6. सहयोगी संस्थाओं की कार्य प्रगति

राष्ट्रीय प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत अब तक 18 नैहरू युवक केन्द्रों, 57 महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों तथा 53 स्वैच्छक संस्थाओं को अनुदान प्रदान किया जा चुका है तथा वह प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र चला रही हैं। यद्यपि अभी इन समस्त संस्थाओं

से उनकी प्रगति सम्बन्धी सूचनाएँ प्राप्त नहीं हुयी, तथापि अधिकांश से प्राप्त हो गई हैं। उन सूचनाओं के आधार पर उनकी प्रगति का संक्षेप इस प्रकार है—

संस्था का नाम	कार्यक्रम चलाने वाली संस्थाओं की संख्या	कुल प्रौढ़ शिक्षा केंद्र	कुल लामा-न्वित प्रौढ़	अनु0जाति के प्रौढ़	अनु0जनजाति के प्रौढ़
1	2	3	4	5	6
1. नेहरू युवक केंद्र	18	502	15392	4386	1075
2. विनवविद्यालय/ महाविद्यालय	57	398	11779	2252	123
3. श्वेच्छिक संस्थायें	53	1271	33492	9916	1033

7. सतत शिक्षा और अनुगमन—

सतत शिक्षा एवं अनुगमन कार्यक्रम को संचालित करने की दिशा में भारत सरकार द्वारा सुझाए गये नमूनों में से किस-किस नमूने को चालू प्रयोजनार्थ के किन-किन क्षेत्रों में अपनाया जाय, इसका अध्ययन करा लिया गया है और तदनुसार अपेक्षित घनराशि की मांग भारत सरकार से की गई है। भारत सरकार से धन उपलब्ध होने पर उपरोक्त कार्यक्रम की व्यवस्था की जायेगी।

अध्याय 8

विविध

शिक्षा प्रसार विभाग—शिक्षा प्रसार विभाग सामाजिक शिक्षा (प्रौढ शिक्षा) के क्षेत्र में वर्ष 1938 से निरन्तर कार्य करता चला आ रहा है। इस विभाग द्वारा प्रयोगात्मक कार्य प्रणाली अपना कर उसके साथ अनुभव जनित तत्वों का समावेश करके विभिन्न युक्तियों के माध्यम से निरक्षरता निवारण के कार्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं।

1. इस विभाग का कार्य दो प्रमुख स्तम्भों में विभक्त है :

- (क) सामाजिक शिक्षा
- (ख) श्रुत्य दृश्य शिक्षा

सामाजिक शिक्षा—

(क) सचल दलों द्वारा कार्यक्रम—सामाजिक शिक्षा कार्यक्रमों के लिए संयोजित चार सचल केन्द्रों (गोष्ठी, साक्षरता, प्रदर्शनी एवं पुस्तकालय) द्वारा इस वर्ष प्रतिपादित कार्यक्रम इस प्रकार रहे। चारों सचल दल सम्मिलित रूप में समाज-शिक्षा की पूर्ण इकाई के रूप में कार्य करते हैं। गोष्ठी दल द्वारा तीन शिविरों का आयोजन हरदोई, सीतापुर एवं फतेहपुर जनपदों में किया गया और 25 गोष्ठियां तथा 60 समाज-शिक्षा कार्यक्रम सम्पन्न किए गये। साक्षरता दल द्वारा फतेहपुर जनपद के खजुहा क्षेत्र में पांच साक्षरता केन्द्रों (खजुहा, तेन्दुली, सेलावन, विक्रमपुर नीचा) का संचालन करके 138 प्रौढों को साक्षर किया गया। शिविर अवधि में कुल 125 शैक्षिक कार्यक्रम आयोजित किये गये। सचल पुस्तकालय दल में फतेहपुर और बलिया जनपदों में दो शिविरों का आयोजन किया जिसमें लगभग 10,000 व्यक्ति लाभान्वित हुए। प्रदर्शनी दल ने इस अवधि में एक शिविर जनपद गोन्डा में आयोजित किया साथ ही साथ 35 समाज शैक्षोपयोगी कार्यक्रम सम्पन्न किये। इस दल के सभी कार्यक्रमों से लगभग 3,50,000 व्यक्ति लाभान्वित हो सके।

(ख) समाज शिक्षा निरीक्षण—समाज-शिक्षा निरीक्षक द्वारा वर्ष 1979-80 में 68 ग्रामीण पुस्तकालयों का निरीक्षण किया गया तथा 109 समाज शिक्षा सम्बन्धी कार्यक्रम सम्पन्न कर लगभग 18,000 व्यक्तियों को लाभान्वित कराया गया। ये कार्यक्रम सहारनपुर, गाजियाबाद, मेरठ, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, इलाहाबाद जनपदों में सम्पन्न किये गये।

(ग) चलचित्र प्रदर्शन द्वारा सामूहिक शिक्षा—शैक्षिक प्रसार कार्यक्रम में चलचित्र प्रदर्शन द्वारा सामाजिक शिक्षा की पृष्ठ भूमि तैयार करने के क्रम में प्रदेश के 12 जनपदों में 298 चलचित्र प्रदर्शनों का आयोजन कर 3,87,600 व्यक्तियों को लाभान्वित कराया गया। इन चलचित्रों के प्रदर्शन के साथ ही साथ 932 समाज शिक्षा सम्बन्धी कार्यक्रम सम्पन्न किये गये जिससे लगभग 1,97,000 व्यक्ति लाभान्वित हुये।

(घ) नवसाक्षरोपयोगी साहित्य—आलोच्य वर्ष में चार नवसाक्षरोपयोगी पुस्तकें 'नेका की राह' (अपराध नियन्त्रण से संबंधित), 'आगे कैसे बढ़ें' (प्रौढ़ साक्षरता विषयक), 'वन सम्पदा' (वृक्षों एवं वनों की उपयोगिता पर अधारित), 'गांव के लिये गांव की भोर' (ग्राम विकास) का सृजन किया गया जिनकी पाण्डुलिपियां अभी प्रकाशनाधीन हैं नवसाक्षरो के लिए मासिक पत्रिका 'नवज्योति' का प्रकाशन प्रति माह किया जा रहा है।

(च) राजकीय ग्रामीण पुस्तकालय—इस विभाग द्वारा 1400 राजकीय पुस्तकालय एवं 3600 बाचनालय प्रदेश के ग्रामीण अंचलों में चलाये जा रहे हैं इसके साथ ही ग्रामीण अंचलों के जनता पुस्तकालयों को 996 रुपये का अनुदान भी दिया गया।

अन्य दृश्य शिक्षा

(क) चलचित्र निर्माण केन्द्र—इस केन्द्र पर कक्षा शिक्षण तथा समाज-शिक्षा सम्बन्धी चलचित्रों का निर्माण किया गया। आलोच्य वर्ष में चार चलचित्र (पंछी का प्यार, अन्तर्राष्ट्रीय बालवर्ष, शिक्षा समाचार भाग 1 तथा 2 विवेक) पूर्ण किये गये। इसके अतिरिक्त अधोलिखित चलचित्र निर्माणाधीन हैं।

1—शिक्षा समाचार भाग-1

2—शिक्षा समाचार भाग-2

3—नई फूल नई सौरभ

4—रतन की कहानी।

(ख) प्रादेशिक चलचित्रालय—इस चलचित्रालय से प्रदेश की शैक्षिक संस्थाओं, शासकीय विभागों एवं संगठनों को, जो इस चलचित्रालय के सदस्य हैं, चलचित्र प्रदान किये गये। इस चलचित्रालय के सदस्यों की संख्या 400 है। इसके अतिरिक्त समाज-शिक्षा इकाई के कार्यक्रमों को सयोजित करने हेतु चलचित्रों का निर्गमन भी इस चलचित्रालय से किया गया। आलोच्य वर्ष में 1774 चलचित्र निर्गत किये गये। इस केन्द्र को सदस्य संस्थाओं से सदस्यता शुल्क नवीनीकरण एवं चलचित्र शुल्क से 1423 रुपये की आय हुई।

इस वर्ष नई चलचित्र सूची मुद्रित करायी गयी।

(क) अन्य दृश्य शिक्षा—इस केन्द्र पर दो प्रशिक्षण सत्र प्रत्येक 56-56 दिनों का आयोजितकर राजकीय एवं अशासकीय संस्थाओं के 10 अध्यापक/अध्यापिकाओं को अन्य दृश्य उपादानों के निर्माण और उनके शिक्षण में प्रयोग का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षार्थियों द्वारा 10 प्रक्षेपित तथा 20 अप्रक्षेपित उपादान तैयार कराये गए।

दक्षिण भारतीय भाषाओं का प्रशिक्षण

उत्तर एवं दक्षिण भाषायी मद भाव मिटाने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने प्रदेश में दक्षिण भारतीय भाषाओं के शिक्षण का प्रबन्ध किया है। इस प्रकार की कक्षाएँ राजकीय माध्यमिक विद्यालय मेरठ, अलीगढ़, कानपुर, गोरखपुर, बरेली झांसी, इलाहाबाद, वाराणसी और आगरा में प्रारम्भ की गई हैं। लखनऊ में मोतीलाल मेमोरियल सोसाइटी में तामिल तथा तेलगू भाषाओं के उच्च अध्ययन की व्यवस्था है। इस प्रयोजन हेतु सोसाइटी से आवर्तक तथा अनावर्तक अनुदान स्वीकृत किया जाता रहा है। उन विद्यार्थियों को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से जो कि "तामिल" तथा "तेलगू" भाषाओं में उच्च पाठ्यक्रम का अध्ययन कर रहे हैं, उनमें से प्रत्येक छात्र को प्रथम वर्ष का पाठ्यक्रम पूर्ण कर लेने पर 200 रु० तथा दूसरे वर्ष के अन्त में "कोविद" परीक्षा उत्तीर्ण करने पर 250 रु० का परितीषिक प्रदान किया जाता है।

पुनर्व्यवस्था योजना—इसके अन्तर्गत शिक्षा पुनर्व्यवस्था योजना एवं कार्यानुभव योजना प्रमुख हैं। इनमें कक्षा 6 से 8 तक कृषि एवं शिल्प विषय को मुख्य शिल्प के रूप में अंगीकृत किया गया है जिससे प्रदेश का आर्थिक स्तर ऊंचा हो सके एवं छात्रों को भी शिक्षा के साथ ही क्रियात्मक कार्य करने का अनुभव प्राप्त हो सके।

सम्प्रति इन योजनाओं में कुल 3134 पदों पर 2869 प्रसार अध्यापक, शिल्प शिक्षक/ शिक्षिकाएँ, एवं कृषि शिक्षक कार्यरत हैं, साथ ही तकनीकी कार्य के मार्गदर्शन, निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण हेतु निदेशालय, मंडल एवं जिला स्तर के कार्यालयों में 1 शिल्प विशेषज्ञ, 5 कृषि पर्यवेक्षक, 68 सहायक कृषि पर्यवेक्षक, एवं 283 सहायक पर्यवेक्षक भी पदस्थापित हैं। इनका कार्य विद्यालयों में कृषि/शिल्प शिक्षण तथा संलग्न कृषि फार्म के उत्पादन में प्रगति करने एवं तकनीकी निर्देशक हेतु साहित्यों का सृजन करना तथा विद्यालयों की योजनाएँ प्रारम्भ कर उन्हें उचित निर्देश प्रदान करना है। मंडलीय स्तर पर पाच राजपत्रित अधिकारी कृषि पर्यवेक्षक के रूप में भैरठ, बरेली, लखनऊ, वाराणसी एवं इलाहाबाद मंडल में कार्यरत हैं जो मंडल स्तर पर कृषि/शिल्प के शिक्षण का निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण का कार्य करते हैं।

इस योजनान्तर्गत पुनर्व्यवस्थित विद्यालयों से संलग्न लगभग बीस हजार एकड़ भूमि है जिसमें लगभग 13 हजार एकड़ भूमि उत्तम श्रेणी की है जिसका कृषि प्रयोगात्मक शिक्षण हेतु प्रयोग किया जाता है। इस भूमि के उत्पादन से लगभग 3,74,035.25 रु० की आय हुई है।

योजना का एक प्रशिक्षण केन्द्र राजकीय प्रसाराध्यापक प्रशिक्षण केन्द्र डामा-सेमर, फैजाबाद में चल रहा है। इस केन्द्र पर एक प्रधानाचार्य, 4 प्रवक्ता एवं 8 अध्यापक कार्यरत हैं। इस प्रकार प्रसाराध्यापकों, शिल्प शिक्षकों सहायक कृषि पर्यवेक्षकों एवं सहायक पर्यवेक्षकों का पुनर्बोधायक प्रशिक्षण चलाया जा रहा है।

योजना के लिये आयोजनेतर आय-व्यय के अन्तर्गत पुनर्व्यवस्था हेतु 189.68 हजार रुपये की धनराशि प्राविधानित है। इसी प्रकार कार्यानुभव योजना हेतु 16.27 हजार रुपये का प्राविधान है।

इस वर्ष "समाजोपयोगी उत्पादन कार्य का प्रयोगात्मक प्रोजेक्ट" के अन्तर्गत पहाड़ी क्षेत्र हेतु एक योजना का प्राविधान है जिसमें इस क्षेत्र के विद्यालयों के छात्रों को फल संरक्षण, वन उद्योग-उद्यानिकी मधुमक्खी पालन, रेशम कीट पालन तथा टाट-, पट्टी एवं टोकरी निर्माण में विशिष्ट प्रशिक्षण का प्राविधान है।

भारत सरकार द्वारा उत्प्रेरित योजनाओं में पूष्ठाहार कार्यक्रम प्रदेश के 876 विकास खंडों के विद्यालयों में चल रहा है। वर्ष 1980-81 में 8 नये विकास खंडों हेतु और योजना स्वीकृत की गयी है। इस योजना हेतु मैदानी क्षेत्र के लिए 45,73,000 रु० तथा पहाड़ी क्षेत्र के लिए 5,00,000 रु० का बजट प्राविधानित है। यह सीधे, विकास खंडों को नियोजन विभाग द्वारा दिया जाता है।

संस्कृत शिक्षा—स्वतन्त्रता प्राप्ति के पश्चात् प्रदेश में 33 वर्षों में संस्कृत शिक्षा क्षेत्र में ज़रतरीत प्रगति हुई है। वर्ष 1978-79 तक 995 संस्कृत पाठशालाओं को राजकीय अनुदान मिल रहा था, वर्ष 1979-80 में शासन द्वारा 20 संस्कृत पाठशालाओं को अनुदान सूची पर लाया गया। इस प्रकार सहायता प्राप्त कुल संस्कृत पाठशालाओं की संख्या 1015 हो गई है। वर्ष 1979-80 में विकास योजनान्तर्गत भवन सज्जा एवं पुस्तकालय अनुदान से 12 संस्कृत पाठशालायें लामान्वित हुई हैं। इन पाठशालाओं को शासन द्वारा कुल 95,000 रु. की धनराशि उक्त मदों में दी जा चुकी है।

विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी संस्कृत पाठशालाओं के शिक्षकों को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किये गये। संस्कृत शिक्षा के प्रचार प्रसार हेतु तवीन संस्कृत पाठशालायें खोली गईं एवं उन्हें मान्यता प्रदान की गई। छात्रों की संख्या में निरन्तर वृद्धि हुई है। संस्कृत पाठशालाओं में अध्ययनरत छात्र/छात्राओं को योग्यता छात्रवृत्ति, निधन छात्रवृत्ति तथा पिछड़ी जाति एवं अनुसूचित जाति के छात्रों के लिये छात्रवृत्तियां स्वीकृत की गयीं। शासन द्वारा संस्कृत के अभावग्रस्त प्रख्यात पण्डितों तथा वेद पंडितों को आर्थिक सहायता प्राप्त कर लामान्वित किया गया है।

अरबी तथा फारसी शिक्षा—प्रदेश में अरबी-फारसी मदरसों की संख्या 283 है जो विभाग द्वारा सहायता प्राप्त है। इनमें से 209 मदरसों अनुदान सूची पर हैं। विभाग द्वारा सहायता प्राप्त मदरसों को विभिन्न प्रकार के अनुदान दिये जाते हैं जो निम्नलिखित है :—

अनुरक्षण अनुदान, महगाई भत्ता, अतरिम महगाई भत्ता, तदर्थ एव अतरिम सहायता। इसके अतिरिक्त प्रारम्भिक अनुदान, भवन अनुदान, साज-सज्जा अनुदान तथा पुस्तकालय अनुदान भी इन मदरसों को दिया जाता है। विभाग द्वारा अरबी तथा फारसी की 5 परीक्षाएँ (फारसी की दो परीक्षाएँ मुन्वी तथा कामिल और अरबी की तीन परीक्षाएँ, मौलवी, आलिम तथा फाजिल) संचालित की जाती हैं।

इन परीक्षाओं के संचालन हेतु एक बोर्ड का गठन हुआ है जो आवश्यकतानुसार पाठ्यक्रम-निर्धारण एवं परीक्षकों की नियुक्ति करता है। अरबी तथा फारसी परीक्षा में परीक्षार्थियों की जो वृद्धि हुई है उसका अनुमान निम्नलिखित तालिका से लगाया जा सकता है :

वर्ष	पजीकृत परीक्षार्थियों की संख्या	सम्मिलित परीक्षार्थियों की संख्या	उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या
1977-78	2897	2016	899
1978-79	3517	2428	1538
1979-80	3978	2917	2004
1980-81	4277	3277	1903

सहायता प्राप्त अरबी मदरसों के अतिरिक्त दो और भी मदरसे हैं। एक राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय—मिर्जापुर का ओरियन्टल सेक्शन तथा दूसरा राजकीय ओरियन्टल कॉलेज, रामपुर।

निरीक्षक अरबी मदरसा अरबी तथा फारसी परीक्षाओं के रजिस्ट्रार तथा उर्दू माध्यम विद्यालयों के निरीक्षक भी हैं।

राज्य शिक्षा संस्था—प्रारम्भिक शिक्षा में गुणात्मक सुधार लाने की दृष्टि से प्रदेश में तृतीय पंचवर्षीय योजनांतर्गत फरवरी, 1964 में इलाहाबाद में राज्य शिक्षा संस्थान की स्थापना की गयी।

संस्थान के निम्नलिखित प्रमुख कार्य हैं—

1—शोध 2—प्रशिक्षण 3—प्रकाशन 4—प्रसार

1—शोधकार्य के अन्तर्गत चयनकृत शंकरगढ़ (इलाहाबाद), डलमऊ (रायबरेली), तथा जर्वा (अलीगढ़) के विकास खण्डों में ह्रास एवं अवरोधनिवारण परियोजनान्तर्गत उपलब्धि के फलस्वरूप शंकरगढ़, डलमऊ विकास खण्डों के सभी प्राइमरी विद्यालयों से ह्रास समूल निवारित हो चुका है। ह्रास की स्थिति पुनः उत्पन्न न होने के लिये निरन्तर प्रयास किया जा रहा है। शंकरगढ़ के परियोजनागत विद्यालयों में अवरोध का प्रतिशत 99 कम हो गया है। डलमऊ क्षेत्र के विद्यालयों में भी उपचारात्मक शिक्षण के फलस्वरूप अवरोध निवारण में आशातीत सफलता मिली है। विकास खण्ड जवा के विद्यालयों में भी ह्रास एवं अवरोध निवारण की प्रगति उत्साहवर्द्धक है।

अभिस्वीकृत विद्यालय परियोजनान्तर्गत विकास क्षेत्र, कौडीहार में चयनित दस प्राइमरी विद्यालयों के भौतिक स्वरूप, विषय शिक्षण तथा सहपाठ्य क्रियाकलापों में सुधार लाने हेतु कार्यक्रम सफलतापूर्वक चलाया गया। इस वर्ष इलाहाबाद जनपद के चाका विकास खंड को इस योजना के अन्तर्गत लिया गया है।

2—प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत विभागीय अधिकारियों, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् के सहयोग से आयोजित जनमंख्या शिक्षा, समाजोपयोगी उत्पादन कार्य, अनौपचारिक शिक्षा आदि तथा युनिसेफ, सहायता प्राप्त परियोजनाओं के अन्तर्गत प्रारम्भिक स्तरीय शिक्षकों एवं स्कूल स्तरीय प्रशिक्षण संस्थाओं के शिक्षक/प्रशिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया।

3—संस्थान के स्थायी प्रकाशनों में 'संस्थान समाचार', 'संस्थान विचार' प्रकाशित किये गये। आख्यागत वर्ष में परिचायिकी विशेषांक अंक 10 एवं प्रतिभा की किरण प्रकाशित की गयी।

4—प्रसार कार्य के अन्तर्गत संस्थान के प्रकाशनों तथा प्रशिक्षणों के माध्यम से प्रदेश की प्राथमिक शिक्षा में रत सभी व्यक्तियों को विभिन्न योजनाओं से परिचित कराया गया।

इसके अतिरिक्त संस्थान में निम्न प्रमुख कार्य किये जा रहे हैं.—

पत्राचार प्रणाली—गैर सरकारी मान्यता प्राप्त जूनियर हाई स्कूल एव प्राइमरी विद्यालयों के अप्रशिक्षित अध्यापक/अध्यापिकाओं को प्रशिक्षित करने हेतु 370 पाठों का सृजन किया गया तथा अभी तक 2000 से अधिक अप्रशिक्षित शिक्षकों को पजीकृत किया जा चुका है।

यूनोसेफ, सहायता प्राप्त परियोजना—परियोजना 2 के अन्तर्गत चयनित भीमताल (नैनीताल), महमूदाबाद (सीतापुर), गमाना (अलीगढ़) के 30 प्राइमरी विद्यालयों के कक्षा 5 के छात्रों के लिये भाषा, गणित पर्यावरण अध्ययन, स्वास्थ्यप्रद जीवन, कक्षा संगीत, नाटक एव नृत्य विषयक पुस्तकें लिखी गयीं तथा 3 व 4 के बच्चों के लिए हिन्दी की पाठ्यपुस्तक के लेखन का कार्य प्रगति पर है। परियोजना 2 के विस्तार-कार्यक्रम के अन्तर्गत 12 अतिरिक्त जनपदों के 120 प्राइमरी विद्यालयों का चयन किया गया तथा परियोजना 3 के विस्तार कार्यक्रम के अन्तर्गत उपयुक्त चयनित जनपदों में से 3 का चयन किया गया। इन कार्यक्रम के अन्तर्गत सर्वेक्षण प्रपत्रों का निर्माण कर सर्वेक्षण की प्रारम्भिक आवश्यक कार्यवाही पूर्ण की गयी। परियोजना सख्या 5—प्राथमिक शिक्षा व्ययक उपागम परियोजना अन्तर्गत अभी तक विभिन्न कार्य-शालाओं के माध्यम से 896 प्रशिक्षार्थियों को (जिनमें राजकीय दीर्घा विद्यालयों के प्रधानाध्यापक/अध्यापिकाओं/समन्वयक/ग्राम सेवक व ग्राम सेविकायें सम्मिलित हैं।) को प्रशिक्षित किया गया।

3—प्राविधिक इकाई कोषट्ट द्वारा द्विवर्षीय बी० टी० सी० सशोधित पाठ्यक्रम का सृजन किया गया तथा पाठ्यक्रम पर आधारित पुस्तकों का लेखन कार्य प्रगति पर है।

4—जनसख्या शिक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत विषय सामग्री का निर्धारण किया जा रहा है।

5—क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान—इनके माध्यम से जू० हा० स्कूल स्तर हिन्दी, सामाजिक अध्ययन, गणित, विज्ञान व अंग्रेजी के सफल शिक्षण हेतु सबधित अध्यापक/अध्यापिकाओं को प्रशिक्षित किया गया।

6—अनौपचारिक शिक्षा कार्यक्रम—इसके अतिरिक्त प्राइमरी तथा जूनियर स्तरीय विभिन्न विषयों से सम्बन्धित पाठ्यक्रम तैयार किया गया। अनौपचारिक शिक्षा कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य 9-14 वय वर्ग के बच्चों को शिक्षित करना है।

प्रारम्भिक स्तरीय पाठ्यक्रम सुधार पर्यावरणीय अध्ययन पौष्टिक आहार, संयुक्त राष्ट्र प्रणालीय तथा मूल्यांकन के सम्बन्धित अध्ययन कार्य भी संस्थान में प्रारम्भ किये गये हैं।

मनोविज्ञान सेवा की सुविधा—प्रदेश में मनोविज्ञानशाला उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद एव मडलीय मनोविज्ञान केन्द्र, लखनऊ, कानपुर, बरेली, आगरा, मेरठ, वाराणसी, गोरखपुर, भासी तथा नैनीताल द्वारा मनोविज्ञान की शैक्षिक व व्यवसायिक क्षेत्र में वैयक्तिक तथा सामूहिक निदेशन के साथ-साथ प्रशिक्षण, प्रवेश, चयन, शोधकार्य, प्रकाशन तथा व्यावसायिक सूचनाओं के प्रसारण का कार्य सम्पादन होता है।

आख्यागत वर्ष में निम्नवत् कार्य आयोजित किये गये।

आयोजनेत्तर कार्य

1—मनोविज्ञानशाला द्वारा व्यक्तिगत बाल एव सामूहिक निदेशन दिया ग

2—व्यावसायिक सूचनाओं का प्रसारण—इस अवधि में विभिन्न व्यवसाय सम्बन्धी सूचनायें 237 व्यक्तियों ने प्राप्त कीं। इंजीनियरिंग मेडिकल, बैंक, सैनिक, लिपिक, पी० सी० एस० तथा एलायड सर्विसेस आदि प्रमुख व्यवसायों से सम्बन्धित सूचनायें प्रदान की गयीं।

व्यावसायिक सूचना कक्षा एवं वाचनालय को देखने हेतु समय-समय पर माध्यमिक प्रशिक्षण विद्यालयों के विद्यार्थी आते रहे।

३—प्रकाशन—त्रैमासिक 'आपका बालक', व्यावसायिक सूचना व समाचार पत्रिकाओं का प्रकाशन हुआ। इसके अतिरिक्त निम्नलिखित पुस्तकें मुद्रित हुयीं :

- (1) मेकेनिकल एप्टीट्यूट टेस्ट (फार्म फार्म)
- (2) रोशाखा स्कीटिंग शीट (फार्म सख्या 19)
- (3) रोशाख टेबुलेशन शीट (फार्म सख्या 20)
- (4) प्रौढ़ बुद्धि परीक्षण फार्म क
- (5) प्रौढ़ बुद्धि परीक्षा फार्म ख
- (6) शैक्षिक अभिरुचि परीक्षण
- (7) पिजन बुद्धि परीक्षण
- (8) शैक्षिक व्यवसायिक प्रोफील
- (9) रोशाख का साइक्रोग्राम

4—शीथकार्य—(1) स्पोर्ट्स कालेज में प्रवेशार्थ अभिरुचि खेल-कूद सामान्य जाच सम्बन्धी परीक्षाओं का निर्माण किया गया।

- (2) डी० ए० टी० के उत्तर-पत्रों का मूल्यांकन कार्य।
- (3) अमूर्त चिंतन व्यवसायिक परीक्षणों में परिवर्तन करके चित्रण तैयार किया गया।
- (4) 1979-80 के पिजन के द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ एवं योग के आधार पर नये मानांक हुए।
- (5) बेसिक डिमासट्रेशन स्कूल, इलाहाबाद के 348 बच्चों के परीक्षण के आधार पर 5-10 वय वर्ग के लिये चाइल्ड वेटरी परीक्षण के मानांक तैयार हुये।

(6) प्रौढ़ बुद्धि परीक्षण विवाद क तथा ख फार्म सभी केंद्रों की मानांक तैयार करने तथा विभिन्न छात्र वर्गों के वितरण हेतु भेजे गये।

(7) बेसिक शिक्षा परिषद के प्राइमरी स्कूल के बच्चों पर चाइल्ड वेटरी परीक्षण व वेन डर परीक्षण गैस्टास्ट परीक्षण मानांक हेतु देना प्रारम्भ किया गया।

5—चुनाव कार्य—

(1) भारत सरकार छात्रवृत्ति योग्यता परीक्षा 1979 व 1980 सम्पन्न कराई गई, जिसमें क्रमशः 285 व 355 छात्र सम्मिलित हुए।

(2) पुलिस मोटर ड्राइवर्स के 341 प्रतियोगियों को चयन हेतु मनोवैज्ञानिक परीक्षण किये गये।

(3) स्पोर्ट्स कालेज, लखनऊ में कक्षा 9 व 11 में 357 अभ्यर्थियों को चयन परीक्षण दिये गये।

(4) सिटी मन्टेसरी स्कूल के अन्तर्गत विभिन्न विद्यालयों के कक्षा 9 में प्रवेश हेतु मनोवैज्ञानिक परीक्षण दिये गये।

आयोजनान्तर्गत

(1) आवासीय छात्रवृत्ति योजना—1979-80 के 11 मण्डलों द्वारा परीक्षित आवासीय छात्रों के अन्तिम आकड़ों की जांच की गयी तथा मनोविज्ञानशाला द्वारा स्वयं 5 विद्यालयों के आवासीय छात्रों का परीक्षण करके उनकी आख्यायें तैयार की गयी।

(2) प्रशिक्षण सत्र 1979-80 में छात्रों को गाइडेन्स साइकालोजिस्ट डिप्लोमा का 10 माह का प्रशिक्षण सैद्धान्तिक व प्रयोगात्मक दोनों प्रकार का दिया गया।

(3) विविध—(i) मनोविज्ञानशाला द्वारा राजकीय मान्यता प्राप्त विद्यालयों के मनोविज्ञान विषय के अध्यापकों का एक माह का सेमिनार आयोजित किया गया जिसमें उन्हें मनोविज्ञान के विविध विषयों के नवीनतम विचारों का अवगत कराया गया।

(ii) अजमेर में आयोजित शैक्षिक निदेशन के एक सेमिनार में मनोविज्ञानशाला के तकनीकी अधिकारियों ने भाग लिया जिसमें उन लोगों ने विभिन्न विषयों पर पत्रक प्रस्तुत किये गये।

(iii) फर्टिलाइजर कार्पोरेशन ऑफ इन्डिया (उडीसा) के एक वरिष्ठ अधिकारी को मनोवैज्ञानिक परीक्षणों से सम्बन्धित जानकारी दी गयी।

(iv) इन्टरमीडिएट बोर्ड की योजना से सम्बन्धित पाठ्यक्रम संशोधन तथा अच्छे प्रश्न-पत्रों के निर्माण में मनोविज्ञानशाला के एक वरिष्ठ अधिकारी ने भाग लिया।

(v) जोधपुर विश्वविद्यालय के एम0 ए0 मनोविज्ञान के 4 छात्रों को मनोविज्ञान में शैक्षिक निदेशन व क्रियात्मक कार्य का प्रशिक्षण दिया गया।

(vi) लोक सेवा आयोग द्वारा चुने गये एक बेसिक शिक्षा अधिकारी को एक सप्ताह का प्रशिक्षण दिया गया।

राज्यविज्ञान शिक्षा संस्थान—प्राइमरी से इन्टरमीडिएट स्तर तक विज्ञान शिक्षा के सर्वोन्मुखी विकास हेतु प्रदेश का शिक्षा विभाग शिक्षा की अनेक योजनाएँ एवं यूनिसेफ की सहायता से विज्ञान शिक्षा के अनेक कार्यक्रम राज्य विज्ञान, शिक्षा संस्थान, इलाहाबाद के माध्यम से क्रियान्वित कर रहा है। सामान्यतः पाठ्यक्रमों का निर्माण, पाठ्यक्रमों को समीक्षा, पाठ्य पुस्तकों की रचना, शिक्षा-सदशिकाओं का निर्माण, टीचर्स हैंड बुक्स, किट गाइडो, शिक्षण तकनीकी, स्वनिर्मित विज्ञान उपकरणों का मूल्यांकन तथा माडल प्रश्न-पत्रों आदि के निर्माण व संशोधन का कार्य यहाँ सम्पादित होता है। एन० सी० ई० आर० टी० द्वारा संचालित राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा, 1980 हेतु उपयोगी

साहित्य एवं प्रश्नपत्रों का निर्माण किया गया तथा प्रदेश के 6 मण्डलों, मेरठ, आगरा, हज़ाराबाद, वाराणसी, लखनऊ तथा पौड़ी के राजकीय इंटर कालेजों में प्रशिक्षण एवं गोष्ठियां आयोजित कर छात्रों को निदेश प्रदान किये गये। संस्थान के निदेशन में इस वर्ष राज्य स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन राजकीय बेसिक ट्रेनिंग कालेज, वाराणसी में किया गया।

अध्यापकों को राष्ट्रीय एवं राज्य पुरस्कार—भारत सरकार द्वारा प्रतिवर्ष अध्यापकों को राष्ट्रीय पुरस्कार योजनान्तर्गत प्रदेश के 8 प्राथमिक स्तर, 4 माध्यमिक स्तर और संस्कृत तथा अरबी-फारसी के सुयोग्य अध्यापक/अध्यापिकाओं को पुरस्कृत किया जाता है। राज्य सरकार द्वारा भी प्राथमिक स्तर के 8, माध्यमिक स्तर के 4, संस्कृत के पाठशाला के, 3 अरबी-फारसी मदरसों शिक्षु शिक्षण तथा शिक्षक प्रशिक्षण संस्थाओं के दो दो अध्यापकों को प्रतिवर्ष पुरस्कृत किये जाने की व्यवस्था है। प्रत्येक अध्यापक को 1,000 रु0 नकद, पदक एवं प्रमाण-पत्र पुरस्कार स्वरूप दिया जाता है।

बाल भवन—अल्पायु के बच्चों के सम्बेदनशील मस्तिष्क को विकसित करने की दृष्टि से प्रदेश में 5-15 वय वर्ग के बच्चों के लिए बाल-भवन की स्थापना हुई है। एक बाल-भवन में 200 बच्चों को सुविधा दिये जाने का प्रस्ताव है जिसमें 10 प्रतिशत स्थान निर्धन वर्ग के बच्चों के लिए सुरक्षित होगा।

अनुसूचित जाति/जनजाति का प्रतिनिधित्व—

अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जन जातियों के प्रतिनिधित्व को जो शिक्षा विभाग में आरक्षण की पूर्ति करके सतत पूर्ण करने का प्रसार किया जा रहा है। इस समय शिक्षा विभाग की राज्य-सेवाओं में लोक सेवा आयोग की परिधि में आने वाले पदों में प्रवक्ता के पदों पर 105 अनुसूचित जाति तथा 12 अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थी हैं जो कुल पदों का क्रमशः 4% एवं 0.4% है। इसी प्रकार हनातक स्तर में 246 अनुसूचित जाति एवं 9 अनुसूचित जन जाति के कर्मचारी हैं। जिनका प्रतिशत 6.6 तथा 0.2 है।

महिला शाखा के अन्तर्गत कुल 97 महिलायें अनुसूचित जाति की हैं तथा 9 अनुसूचित जन जाति की। इनका प्रतिशत 2.7 तथा 9.7 है।

उच्च शिक्षा में 133 अध्यापक अनुसूचित जाति के तथा 6 अनुसूचित जन जाति के हैं। जिसका प्रतिशत क्रमशः 7.7 तथा 0.35 है।

उपयुक्त पदों पर उपयुक्त अभ्याथियों के अभाव में अनुसूचित जाति एवं जन जाति के आरक्षण का कोटा पूर्ण नहीं हो सका है। जिसे शासन के निदेशानुसार पूर्ण करने का प्रयास किया जा रहा है।

पुस्तकालय कोष्ठक की स्थापना—

वर्ष 1980-81 की एक परियोजना के अन्तर्गत शिक्षा विभाग में एक पुस्तकालय कोष्ठक (सेल) की स्थापना की गई है। यह कोष्ठक प्रदेश में पुस्तकालय नीति का विकास तथा पुस्तकालय पद्धति की स्थापना के सम्बन्ध में कार्य करेगा तथा नये पुस्तकालयों की स्थापना विद्यमान पुस्तकालयों की दशा में सुधार उनकी देख-रेख तथा सम्बन्ध के सम्बन्ध में परियोजनायें बनायेगा। वित्तीय वर्ष 1980-81 में इन कोष्ठक के लिये रु0 58000 का प्राविधान किया गया है।

कोष्ठक में अक्टूबर, 1980 से एक विशेष कार्याधिकारी नियुक्ति की गई है और कोष्ठक ने कार्य शुरू कर दिया है।

सारिणी--I

शिक्षा के लिये निरिष्ट बजट

वर्ष	बालकों की शिक्षा के लिये बजट	बालिकाओं की शिक्षा के लिये बजट	शिक्षा के लिये सम्पूर्ण बजट
1	2	3	4
	₹0	₹0	₹0
1946-47	2,50,32,561	68,17,239	3,18,49,800
1950-51	6,61,14,800	76,29,400	7,37,44,200
1955-56	9,30,63,300	89,53,200	10,20,16,500
1960-61 शिक्षा	12,17,33,000	1,18,23,200	13,35,56,200
1960-61 शिक्षा नियोजन	*	*	3,87,41,000
1965-66 शिक्षा	24,36,60,500	2,53,76,200	26,90,36,700
1965-66 शिक्षा नियोजन	14,42,21,200	2,13,46,000	16,55,67,200
1977-78 शिक्षा	1,97,18,28,600	26,26,63,000	2,23,44,91,600
1977-78 शिक्षा नियोजन	19,54,76,500	5,97,000	19,60,73,500
1979-80 शिक्षा	2,32,35,18,000	36,19,80,000	2,68,54,98,000
1979-80 शिक्षा नियोजन	6,86,18,000	9,32,000	6,95,50,000
1980-81 शिक्षा	2,77,82,09,000	43,47,96,000	3,21,30,05,000
1980-81 शिक्षा नियोजन	15,41,82,000	2,84,000	15,44,66,000

टिप्पणी :- इसके अतिरिक्त बालकों की शिक्षा के लिये बजट बालिकाओं की शिक्षा पर ध्यय सम्मिलित है। * बजट में उपलब्ध नहीं है।

सारिणी

शिक्षा के विभिन्न शीर्षको

	1946-47	1950-51	1955-56	1960-61
1	2	3	4	5
शिक्षा—				
1--प्रारम्भिक	1,21,72,100	3,32,18,200	4,24,73,600	5,69,27,000
2--माध्यमिक	99,16,800	1,65,95,000	2,35,46,400	3,36,10,200
3--विश्वविद्यालय तथा डिग्री कालेज	26,91,900	47,77,100	89,47,700	1,13,62,000
4--ट्रेनिंग**	18,14,200	5,99,400	9,14,900	9,83,400
5--अन्य	52,54,800	1,85,54,500	2,61,33,900	3,06,73,600
6--विशेष शिक्षा
7--प्राविधिक शिक्षा
8--क्रीड़ा एवं युवक कल्याण
9--सामान्य शिक्षा
10--एक मुस्त प्राविधान
11--कला एवं संस्कृत
12--अनुसूचित जातियों/ जनजातियों एवं अन्य पिछड़े वर्गों का कल्याण
योग ..	3,18,49,800	7,37,44,200	10,20,16,500	13,35,56,200

—2

के लिये बजट

1965-66	1977-78	1979-80	1980-81
6	7	8	9
10,30,06,400	1,09,35,18,000	1,43,81,63,000	1,64,65,06,000
6,53,67,800	60,54,11,300	81,90,37,000	94,44,30,000
1,91,07,100	25,53,97,500	28,27,54,000	32,03,86,000
23,96,900
8,01,58,500
..	1,80,48,100	3,60,93,000	3,19,42,000
..	5,26,34,400	*	*
..	2,60,64,300	2,43,89,000	2,77,59,000
..	23,100	24,000	24,000
..	18,33,95,000	5,99,85,000	21,48,24,000
..	1,60,000
..	..	2,50,53,000	2,69,74,000
26,90,36,700	2,23,44,91,600	2,68,54,98,000	3,21,30,05,000

सारिणी

शिक्षा के विभिन्न शीर्षको

	1946-47	1950-51	1955-56
1	2	3	4
शिक्षा नियोजन—			
1—प्राथमिक
2—माध्यमिक
3—विश्वविद्यालय तथा डिग्री कालेज
4—ट्रेनिंग
5—अन्य
6—विशेष शिक्षा
7—प्राविधिक शिक्षा
8—क्रीडा एवं युवक कल्याण
9—सामान्य शिक्षा
10—एक मुश्त प्राविधान
11—कला एवं संस्कृति
12—अनुसूचित जातियों, जन जातियों एवं अन्य पिछड़े हुए वर्गों का कल्याण
योग

* प्राविधिक शिक्षा का बजट प्राविधान 1979-80 से अनुदान सं० 35

** ट्रेनिंग से सम्बन्धित बजट वर्ष 1974-75 में विश्वविद्यालय तथा

—2 समाप्त

के लिये बजट

1960-61	1965-66	1977-78	1979-80	1980-81
5	6	7	8	9
2,54,76,900	6,75,47,200	8,91,09,000	3,71,07,000	6,97,93,000
63,67,000	3,20,95,900	4,12,20,000	1,03,86,000	2,81,18,000
41,17,000	1,47,51,200	2,25,80,000	95,94,000	95,04,000
13,06,000	73,21,200
14,74,100	4,36,51,700
..	..	81,27,000	8,43,000	3,17,41,000
..	..	38,65,000	*	*
..	..	79,44,500	-56,28,000	69,16,000
..
..	..	7,55,000	7,05,000	25,03,000
..	1,00,000
..	..	1,74,73,000	52,87,000	57,91,000
3,87,41,000	16,55,67,200	19,60,73,500	6,95,50,000	15,44,66,000

को हस्तांतरित कर दिया गया है।

बिधी कालेजों में सम्मिलित कर दिया गया है।

सौरिणी-3

प्रबन्धानुसार शिक्षा संस्थायें - (सामान्य शिक्षा)

	1946-47	1950-51	1955-56	1960-61	1965-66	1977-78	1980-81**
1	2	3	4	5	6	7	8
राजकीय	201	1,094	1,005	1,341	2,366	807	845
स्थानीय निकाय	16,673	30,323	31,471	39,386	58,923	69,946	79,187
विश्वविद्यालय* सहायता प्राप्त	5	6	6	9	9	19	19
असहायता प्राप्त	5,551	4,449	4,627	5,663	7,945	12,102	9,987
योग	22,430	35,872	37,109	46,399	69,243	82,874	90,038

टिप्पणी :- * (1) विश्वविद्यालयों की सख्या वर्ष 1946-47, 1950-51, 1955-56 तथा 1960-61 में सहायता प्राप्त संस्थाओं की सख्या सम्मिलित थी।

(2) वर्ष 1965-66 तक दो विश्वविद्यालय मानी गई संस्थायें सम्मिलित नहीं हैं।

(i) काशी विद्यापीठ, वाराणसी।

(ii) गुरुकुल कागड़ी विश्वविद्यालय, सहारनपुर।

(3) वर्ष 1977-78 से एक विश्वविद्यालय मानी गई संस्था गुरुकुल कागड़ी हरिद्वार, सहारनपुर, सम्मिलित नहीं है।

(4) **आकड़े अनुमानित हैं।

सारिणी--4

विभिन्न प्रकार की मान्यता प्राप्त शिक्षा संस्थायें (प्रथम तीन स्तर)

	1946-47	1950-51	1955-56	1960-61	1965-66	1977-78	1980-81*
1	2	3	4	5	6	7	8
उच्चतर माध्यमिक विद्यालय— (लड़के)	415	833	1,253	1,489	2,050	4,014	4,404
उच्चतर माध्यमिक विद्यालय— (लड़कियाँ)	91	154	221	282	451	696	806
योग—सब ग्रामीण क्षेत्रों में	506	987	1,474	1,771	2,501	4,710	5,210
सीनियर बेसिक स्कूल (लड़के)	3,344	2,386	3,128	3,674	4,945	8,397	10,058
सीनियर बेसिक स्कूल (लड़कियाँ)	1,506	468	512	661	1,209	3,012	3,349
योग—सब ग्रामीण क्षेत्रों में	4,850	2,854	3,640	4,335	6,154	11,409	13,407
	1,199	1,984	2,856	3,272	4,950	9,745	11,454

1	2	3	4	5	6	7	8
जूनियर बेसिक स्कूल— (लड़के)	18,370	29,459	29,202	35,156	49,443	52,898	70,931 (मिश्रित)
जूनियर बेसिक स्कूल— (लड़कियाँ)	1,678	2,520	2,696	4,927	10,800	13,398	..
योग—सब ग्रामीण क्षेत्रों में	20,048	31,979	3,898	40,083	60,243	66,296	70,931
	16,501	23,710	28,400	35,302	54,255	57,623	64,237
नर्सरी स्कूल (लड़के)	..	6	19	55	110	54	54
नर्सरी स्कूल (लड़कियाँ)	7	18	43	34	34
योग—सब	..	6	26	73	153	88	88
ग्रामीण क्षेत्रों में

* आकड़े अनुमानित हैं।

सारिणी-5

विभिन्न प्रकार की मान्यता प्राप्त शिक्षा संस्थाएँ (अंतिम दो स्तर)

	1946-47	1950-51	1955-56	1960-61	1965-66	1977-78	1980-81*
1	2	3	4	5	6	7	8
विश्वविद्यालय	..	5	6	6	9	9(क)	19(ख)
लड़के	..	5	6	6	9	9(क)	19(ख)
लड़कियाँ
योग	..	5	6	6	9	9(क)	19(ख)
डिप्री कालेज	..	14	34	57	108	147	298
(ग)	..	2	6	8	20	36	86
लड़के	..	14	34	57	108	147	298
लड़कियाँ	..	2	6	8	20	36	86
योग	..	16	40	65	128	183	384

*आंकड़े अनुमानित हैं।

(क) विश्वविद्यालय मानी गई संस्थाएँ सम्मिलित नहीं हैं।

(1) गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, सहारनपुर, काशी विद्यापीठ, वाराणसी।

(ख) विश्वविद्यालय मानी गई संस्था गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, सहारनपुर सम्मिलित नहीं हैं।

(ग) वर्ष 1977-78 तक ये केवल सामान्य शिक्षा डिप्री कालेज हैं, एप्रीकल्चरल ट्यूटोरियल कालेज तथा ट्रेनिंग कालेज की संख्या सम्मिलित नहीं हैं।

सारणी-
संस्थानुसार छात्रों

		1946-47	1950-51	1955-56
1	2	3	4	5
विश्वविद्यालय**	लड़के	9,760	19,105	24,616
	लड़किया	758	1,671	2,802
	योग ..	10,518(अ)	20,776	27,418
द्वितीय कालेज	लड़के	20,643(ब)	27,294	45,725
	लड़कियाँ	1,700(ब)	2,504	4,874
	योग ..	22,343(ब)	29,798	50,599
उच्चतर माध्यमिक स्कूल	लड़के	1,77,562(द)	3,59,580	5,56,530
	लड़किया	25,663(द)	57,825	87,599
	योग ..	2,03,225(द)	4,17,405	6,44,129
सीनियर बेसिक स्कूल	लड़के	1,64,667	2,78,339	3,55,266
	लड़किया	83,174	69,798	71,759
	योग ..	2,47,841	3,48,137	4,27,025
जूनियर बेसिक स्कूल	लड़के	13,86,453	23,92,175	22,53,231
	लड़किया	1,89,055	3,34,948	4,84,596
	योग ..	15,75,508	27,27,123	27,37,827
नर्सरी स्कूल	लड़के	..	644	1,507
	लड़किया	..	162	991
	योग	806	2,498

(अ) यह केवल विज्ञान और कला

(ब) इन संस्थानों में समस्त इंटर

(द) इंटर कक्षाओं के

*आकडे

**माने गये विश्वविद्यालयों के छात्रों

6

की संख्या

1960-61	1965-66	1977-78	1980-81*
6	7	8	9
29,785	37,628	88,141	90,517
4,033	8,208	17,853	26,180
33,818	45,836	1,05,994	1,16,697
58,959	4,7295	2,53,922	2,62,951
8,743	20,263	63,044	71,640
67,702	94,558	3,16,966	3,34,621
7,57,592	12,71,038	25,05,342	16,47,185
1,54,485	2,87,862	5,975,39	7,36,917
9,12,077	15,58,900	31,02,881	33,64,102
4,46,139	7,88,905	10,33,600	11,11,602
1,03,688	1,94,945	2,79,484	3,08,321
5,49,827	9,83,850	13,13,084	14,19,923
31,70,868	57,64,857	59,66,563	63,98,240
7,87,960	30,23,248	25,79,998	30,39,149
39,58,828	87,88,105	85,46,561	94,37,389
4,486	11,882	11,022	18,097
3,068	7,745	8,550	11,522
7,554	19,627	19,572	29,619

के विद्यार्थियों की संख्या है ।

कला के विद्यार्थी सम्मिलित हैं ।

विद्यार्थी सम्मिलित नहीं है ।

अनुमानित हैं ।

की संख्या सम्मिलित नहीं है ।

सारिणी—

स्थानुसार अध्यापकों

		1946-47	1950-51	1955-56
1	2	3	4	5
विश्वविद्यालय*	पुरुष	839	1,201	1,331
	महिला	56	71	114
	योग	895	1,272	1,445
डिग्री-कालेजों में	पुरुष	441	1,175	2,155
	महिला	37	74	172
	योग	478	1,249	2,327
उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में	पुरुष	7,610	15,453	24,541
	महिला	1,577	2,774	4,130
	योग	9,187	18,227	28,671
सीनियर बेसिक स्कूलों में	पुरुष	7,960	11,605	16,734
	महिला	3,421	2,900	3,262
	योग	11,381	14,505	19,996
जूनियर बेसिक स्कूलों में	पुरुष	39,358	65,110	70,641
	महिला	2,961	5,189	6,934
	योग	42,319	70,299	77,575
नर्सरी स्कूलों में	पुरुष	..	8	35
	महिला	..	14	149
	योग	..	22	184

*आंकड़े

**विश्वविद्यालय मात्री गई संस्थाओं के

7

की संख्या

1960-61	1965-66	1977-78	1980-81*
6	7	8	9
2,089	2,797	5,092	5,270
159	234	849	962
2,248	3,031	5,941	6,232
3,113	4,640	6,910	10,714
331	793	2159	2,457
3,444	5,433	12,069	13,171
30,222	45,717	87,924	92,293
5,854	10,697	17,716	20,057
36,076	56,414	1,05,640	1,12,350
19,057	28,865	43,958	51,540
4,202	7,002	13,575	16,634
23,259	35,867	57,533	68,174
87,340	1,44,659	1,92,337	2,01,308
11,714	23,918	41,120	43,404
99,054	1,68,577	2,33,497	2,44,712
51	199	133	133
348	723	568	568
399	922	701	701

अस्थायी हैं ।

अध्यापकों की संख्या सम्मिलित नहीं है ।

सारिणी-8

स्तरानुसार छात्रों की संख्या

1977-78 ¹ - 1980 ^{*2}			
1	2	3	4
छात्रों की संख्या प्री-प्राइमरी स्तर	कुल	41,704	47,220
	बालिका	17,815	19,458
जूनियर बेसिक स्तर (कक्षा 1-5)	कुल	87,298	94,473
	बालिका	26,719	30,422
सीनियर बेसिक स्तर (कक्षा 6-8)	कुल	25,141	28,811
	बालिका	5,198	7,192
हाई/हायर सेकेन्डरी स्तर (कक्षा 9-12)	कुल	17,04,092	18,84,121
	बालिका	2,56,699	3,16,272
स्नातक स्तर	कुल	2,67,554	2,84,284
	बालिका	52,960	60,172
स्नातकोत्तर स्तर	कुल	65,715	84,180
	बालिका	16,822	24,790

*आकड़े अनुमानित हैं।

- सारिणी-9 -

साध्यमिक शिक्षा परिषद् की परीक्षाओं के लिये मान्यता प्राप्त विद्यालयों की संख्या

	1946-47	1950-51	1955-56	1960-61	1965-66	1977-78	1980-81
	1	2	3	4	5	6	7
हाईस्कूल परीक्षा—							
लड़कों की शिक्षा संस्थानों	428	749	1,175	1,404	1,837	3,717	4,150
लड़कियों की शिक्षा संस्थानों	73	130	197	257	354	632	692
योग	501	879	1,372	1,661	2,191	4,349	4,842
इटरमीडिएट परीक्षा—							
लड़कों की शिक्षा संस्थानों	168	334	652	786	1,002	2,002	2,386
लड़कियों की शिक्षा संस्थानों	15	41	111	148	214	368	416
योग	183	375	763	934	1,216	2,370	2,802

सारणी—10

हाई स्कूल परीक्षा में परीक्षार्थियों की संख्या

	1947	1951	1956	1961	1966	1978	1979	1980
1	2	3	4	5	6	7	8	9
हाई स्कूल परीक्षा में पंजीकृत संख्या—								
लड़के	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध	1,67,549	2,15,252	3,14,578	6,92,494	7,33,001	7,49,136
लड़किया	16,488	22,620	41,826	1,33,620	1,41,437	1,48,736
योग ..	33,923	1,10,581	1,84,037	2,37,872	3,56,404 (क)	8,26,114	8,74,438	8,97,872
परीक्षा में सम्मिलित होने वाले की संख्या—								
लड़के	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध	1,55,285	2,04,315	2,95,036	6,33,880	6,68,475	7,14,449
लड़किया	14,301	21,526	38,605	1,17,074	1,27,343	1,40,424
योग ..	31,506	98,534	1,69,586	2,25,841	3,33,641	7,50,954	7,95,818	8,54,873
उत्तीर्ण होने वालों की संख्या—								
लड़के	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध	68,589	89,880	1,30,277	3,14,721	2,49,940	2,92,110
लड़किया	8,528	13,860	25,187	75,416	75,758	93,878
योग ..	19,937	58,234	77,117	1,03,740	1,55,464	3,90,137	3,25,698	3,85,988

(क) संशोधित आंकड़े ।

सारणी 11

इंटरमीडिएट परीक्षा के परीक्षार्थियों की संख्या

	1947	1951	1956	1961	1966	1978	1979	1980	
	1	2	3	4	5	6	7	8	9
इंटरमीडिएट परीक्षा में पंजीकृत संख्या—									
लड़के	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध	78,457	99,600	1,48,785	3,33,834	4,11,810	4,22,413	
लड़कियाँ	9,344	13,745	27,912	92,288	1,04,237	1,06,095	
योग	.. अनुपलब्ध	41,009	87,801	1,13,345	1,76,697	4,26,122	5,16,047	5,28,508	
परीक्षा में सम्मिलित होने वालों की संख्या—									
लड़के	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध	69,858	89,542	1,29,269	3,05,765	3,82,187	3,96,656	
लड़कियाँ	8,219	12,282	24,151	84,468	95,582	98,967	
योग	.. अनुपलब्ध	34,464	78,077	1,01,824	1,53,420	3,90,233	4,77,769	4,95,623	
उत्तीर्ण होने वालों की संख्या—									
लड़के	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध	36,378	35,645	54,381	1,97,817	2,31,124	2,50,942	
लड़कियाँ	5,058	6,557	13,299	54,241	62,847	70,468	
योग	.. अनुपलब्ध	20,523	41,434	42,202	67,689	2,52,058	2,93,971	3,21,410	

सारिणी-12

स्वीकृत पाठशालाओं की संख्या और राजकीय सहायता

	1950-51	1955-56	1960-61	1965-66	1977-78	1980-81*
1	2	3	4	5	6	7
स्वीकृत पाठशालाएँ	1,400	1,014	1,050	900	948	1,054
छात्र-संख्या	34,093	39,901	42,892	47,287	59,880	74,000
अभ्यापक	3,603	4,482	4,644	3,829	876	6,000
सहायता प्राप्त पाठशालाएँ	3,603	4,482	4,644	3,829	4,510	1,015
राज्य से प्राप्त सहायता (रु० में)	2,53,512	4,64,448	9,62,953	22,14,020	70,46,556	2,10,54,000**

*आकड़े अनुमानित हैं

**आकड़े आय-व्ययक प्राविधान 1980-81 के अनुसार हैं।

सारिणी--13

अरेबिक मदरसों की सख्या और राजकीय सहायता

	19 50-51	1955-56	1960-61	1965-66	1977-78	1980-81*
1	2	3	4	5	6	7
स्वीकृत मदरसे	86	89	104	120	225	283
छात्र सख्या	—	14,190	16,710	25,981	49,985	53,442
अध्यापक	620	627	726	955	1,363	3,670
सहायता प्राप्त मदरसे	86	89	104	120	151	209
राज्य से प्राप्त सहायता (रु० में)	90,672	1,02,394	1,24,164	2,56,454	14,55,535	80,08,000**

*आकड़े अस्थायी हैं।

**आकड़े आय-व्ययक प्राविधान वर्ष 1980-81 के अनुसार हैं।

सारिणी-14

प्रशिक्षण सस्थान तथा सम्बद्ध प्रशिक्षण सस्थायें

		1946-47	1950-51	1955-60	1960-61	1965-66	1977-78	1980-81*
1	2	3	4	5	6	7	8	9
ट्रेनिंग का रेज एल0 टी तथा बी0एड0 (एक वर्ष)	पुरुष	2	4	6	7	6	8	9
	महिला	1	5	2	3	4	4	4
	योग	3	9(ग)	8	10	10	12	13
विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण विभाग (बी0 एड0 तथा एम0 एड0) पुरुष तथा महिला सम्मिलित		2	..	3	5	5	6	6
डिग्री कालेज की प्रशिक्षण कक्षायें (बी0 एड0 तथा एम0 एड0)	पुरुष	..	8	10	28	36	68	78
	महिला	..	1	2	2	6	16	23
	योग	..	9	12	30	42	84	101
बी0 टी0 सी0 (2 वर्ष)	पुरुष	61
	महिला	41
	योग	102

(ग)—इस सख्या में 9 ट्रेनिंग क्लास सम्मिलित है जिनमें एक वर्ष का कोर्स था ।

*आकड़े अनुमानित हैं।

सारिणी—15

प्रशिक्षण संस्थायें तथा सम्बद्ध प्रशिक्षण कक्षायें (छात्र संख्या)

	1946-47	1950-51	1955-56	1960-61	1965-66	1977-78	1980-81
1	2	3	4	5	6	7	8
ट्रेनिंग कालेज (एल० टी० तथा बी० एड०)							
पुरुष	295	226	415	500	540	712	1,000
महिला	117	337	311	520	621	1,477	1,485
योग ..	412	563(ल)	726	1,020	1,161	2,189	2,485
विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण विभाग (बी० एड० तथा एम० एड०)							
पुरुष ..		312	257	356	272	697	712
महिला ..		107	127	144	354	808	850
योग		419	384	500	626	1505	1,562
डिग्री कालेजों की प्रशिक्षण कक्षायें (बी० एड० तथा एम० एड०)							
पुरुष ..		520	956	2,413	2,797	6,369	8,002
महिला ..		66	289	509	1,140	3,969	4,007
योग		586	1,245	2,922	3,937	10,338	12,009
बी० टी० सी० (दो वर्ष)							
पुरुष							3,170
महिला							1,680
योग							4,850

(ल) इसमें सी० टी० के छात्र भी सम्मिलित हैं ।

*आकडे अनुमानित ह ।

सारिणी-16

प्रशिक्षण सस्वाये एवं समवृद्ध प्रशिक्षण कक्षाये, उत्तीर्ण होने वाले छात्राध्यापकों और छात्राध्यापिकाओं की सख्या

	1946-47	1950-51	1955-56	1960-61	1965-66	1977-78	1980-81
	1	2	3	4	5	6	7
एल० टी० तथा वी० एड० (एक वर्ष)							
पुरुष	289	880	1,386	3,032	3,222	*	*
महिला	108	268	511	977	1,735	*	*
योग ..	397	1,088	1,897	4,009	4,957	*	*
एम० एड० (एक वर्ष)							
पुरुष	4	58	36	74	92	*	*
महिला	1	25	42	42	66	*	*
योग ..	5	83	78	116	158	*	*
बी० टी० सी० (दो वर्ष)							
पुरुष	3850
महिला	2891
योग	6741

* आकड़े उपलब्ध नहीं हैं ।

† आकड़े अनुमानित हैं ।

सारणी—17

रजिस्ट्रार विभागीय परीक्षार्थे एवं सचिव, माध्यमिक शिक्षा परिषद् द्वारा अंचालित परीक्षाओं का तीन वर्ष का परीक्षाफल

क्र०स०	रजिस्ट्रार विम.गीय परीक्षार्थे	परीक्षार्थियों की संख्या 1978			परीक्षार्थियों की संख्या 1979			परीक्षार्थियों की संख्या 1980		
		सम्मिलित	उत्तीर्ण	प्रतिशत	सम्मिलित	उत्तीर्ण	प्रतिशत	सम्मिलित	उत्तीर्ण	प्रतिशत
		1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	सी०पी०एड० परीक्षा	192	184	96	182	163	90	174	162	93
2	बी०पी०एड० परीक्षा	143	142	99	135	130	95	153	143	93
3	टी०सी० (महिला)	56	35	63	75	73	60
4	टी०सी० (गृहविज्ञान)	37	31	84 केवल आशिक कक्षाये	अनुपलब्ध	76	72	95
5	टी०सी० (बधिर) परीक्षा	18	17	94	19	17	89
6	टी०सी० (शिशु शिक्षा) परीक्षा	139	109	78	113	106	94
7	टी०सी० (बेसिक) परीक्षा	92	52	57 केवल आशिक कक्षाये	18	15	83
8	एल०टी० (बेसिक) परीक्षा	135	84	62	150	126	84	125	99	79
9	एल०टी० रचनात्मक परीक्षा	182	155	85	174	171	98	176	158	90
10	एल०टी० गृह विज्ञान	15	14	93	6	6	100	8	8	100
11	एल०टी० सामान्य परीक्षा	1,222	902	74	806	664	79	1,063	752	71
12	एल०टी० सामान्य सेवारत
13	एल०टी० रचनात्मक

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
14	सी0टी0 बेसिक	
15	सी0टी0 महिला	
16	बी0टी0सी परीक्षा	8,564	7,604	90	7,854	7,220	94	7881	16741	85
	(2) माध्यमिक शिक्षा परिवर्दीय परीक्षाये :- -									
1	हाई स्कूल परीक्षा	7,50,954	3,90,137	52	7,95,818	3,25,698	41	8,54,873	3,85988	45.15
2	इण्टरमीडिएट परीक्षा	3,90,233	2,52,058	65	4,77,769	2,93,971	62	4,95,623	3,21410	64.8

सारिणी-18

जिलेवार 1971 की जनसंख्या, साक्षरता का प्रतिशत तथा 30 दिसम्बर, 1980 को विद्यालयों की संख्या *

क्र०सं०	जिले का नाम	1971 साक्षरता का प्रतिशत			विद्यालयों की संख्या								
		जनसंख्या (हजार में)	पुरुष	महिला	समस्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालय			सीनियर बेसिक स्कूल			जूनियर बेसिक स्कूल		
					जानपद में	बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग	मिश्रित	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	
1	फजावाद	1,927	29.73	8.09	19.32	85	14	99	189	51	240	1,432	
2	बहराइच	1,737	18.84	4.28	12.19	32	5	37	143	70	213	1,494	
3	गोडा	2,302	22.19	4.74	14.04	52	11	63	189	65	254	2,064	
4	प्रतापगढ़	1,423	31.18	6.02	18.50	67	5	72	133	46	179	1,075	
5	सुल्तानपुर	1,643	28.66	6.72	17.86	70	5	75	220	63	283	1,517	
6	गोरखपुर	3,038	30.43	8.20	19.77	142	20	162	243	110	353	1,834	
7	आजमगढ़	2,857	29.96	8.21	19.11	140	13	153	265	74	330	1,723	
8	बस्ती	2,981	25.04	5.18	15.61	120	12	132	261	87	348	2,057	
9	देवरिया	2,812	29.38	6.03	17.95	152	10	162	357	62	419	1,996	
10	वाराणसी	2,852	39.99	13.28	27.27	130	41	171	279	113	392	1,658	
11	बलिया	1,589	33.25	9.80	21.67	90	8	98	188	61	249	1,220	
12	गाजीपुर	1,532	30.75	9.29	20.14	80	9	89	197	46	243	1,023	
13	जौनपुर	2,005	34.52	9.80	21.23	120	10	130	231	64	295	1,275	

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
14	मिर्जापुर	1,541	20.61	8.08	10.39	60	7	67	193	38	231	1,515
15	इलाहाबाद	2,937	35.65	10.76	23.88	151	33	184	297	84	381	1,781
	योग पूर्वी जोन	..				1,491	203	1,694	3,376	1,034	4,410	2,3664
1	देहरादून	577	51.71	33.40	43.74	53	20	73	105	51	156	734
2	उत्तरकाशी	148	37.02	5.37	22.04	21	2	23	78	4	82	425
3	देहरी-गढ़वाल	397	36.38	4.92	19.29	60	5	65	121	35	156	822
4	पीड़ी-गढ़वाल	553	49.32	16.52	32.00	115	9	124	156	42	198	1196
5	चमोली	293	48.92	9.59	28.67	56	5	61	104	10	114	681
6	पिथौरागढ़	314	49.68	14.63	31.87	67	9	76	114	15	129	835
7	अल्मोडा	750	45.87	11.53	28.08	115	8	123	169	14	183	1,127
8	नैनीताल	790	41.33	20.17	31.94	80	25	105	179	45	224	1,086
	योग पर्वतीय क्षेत्र :					567	83	650	1,026	216	1,242	6,906
1	झांसी	870	35.65	12.72	24.98	46	13	59	137	55	192	839
2	ललितपुर	537	12	4	16	64	30	94	556
3	हमीरपुर	988	31.15	7.83	20.25	33	7	40	156	50	206	1,075
4	जालौन	813	40.20	12.40	37.36	56	10	66	148	42	190	906
5	बांदा	1,182	29.31	5.84	13.39	47	7	54	177	66	243	1,223
	योग बुन्देलखंड					194	41	235	682	243	925	4,599

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
1	आगरा	2,309	37.46	16.52	27.97	105	34	139	217	118	335	1,376
2	अलीगढ़	2,112	35.01	12.65	24.89	120	25	146	221	71	292	1,402
3	एटा	1,571	30.59	11.01	21.69	80	10	90	196	48	244	1,094
4	मैनपुरी	1,446	33.74	12.83	24.24	70	8	78	238	60	298	1,304
5	मथुरा	1,290	36.60	10.51	24.83	90	16	106	112	54	166	1,118
6	वरेली	1,780	24.27	9.92	17.82	72	20	92	164	58	222	1,392
7	विजनौर	1,490	28.35	10.58	20.17	70	16	86	134	55	189	1,104
8	वदायू	1,646	18.19	5.85	12.66	42	13	55	158	58	216	1,321
9	मुरादाबाद	2,429	23.47	9.54	17.13	95	31	126	171	96	267	1,844
10	पीलीभीत	752	24.14	7.78	16.63	25	4	29	83	42	125	726
11	रामपुर	901	17.70	7.17	12.90	35	11	46	72	25	97	696
12	गहजहांपुर	1,286	24.09	8.31	17.09	35	10	45	141	52	193	1,294
13	मेरठ	3,367	38.21	16.01	28.14	162	42	204	187	94	281	1,446
14	बुलन्दशहर	2,073	32.81	9.16	21.92	151	20	171	103	50	153	1,274
15	मुजफ्फरनगर	1,802	30.93	12.65	22.64	85	20	105	123	63	186	1,232
16	सह रतपुर	2,055	31.53	13.52	23.41	100	27	127	157	83	240	1,466
17	इटावा	1,448	38.98	16.61	28.86	100	10	110	247	59	306	1,206
18	फर्रुखाबाद	1,557	14.31	13.85	25.11	98	16	114	248	76	324	1,225
19	गाजियाबाद	*	*	*	*	100	23	123	111	56	167	866
योग पश्चिमी जोन						1,635	357	1,992	3,083	1,218	4,301	23,386

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
1	उधनऊ	1,613	41.91	24.52	33.97	70	40	110	165	63	228	1,092
2	हरदाई	1,350	27.83	8.86	19.25	48	6	54	269	76	345	1,522
3	खोरी	2,487	21.41	6.40	14.63	38	5	43	177	49	226	1,330
4	गायबरेली	1,512	28.63	7.41	18.33	45	8	53	173	55	228	1,075
5	सीतापुर	1,834	24.27	7.03	16.45	45	10	55	237	65	302	1,500
6	उन्नाव	1,481	20.00	9.09	19.63	50	3	53	218	69	287	1,279
7	बाराबंकी	1,636	21.65	5.54	14.25	38	4	42	173	63	236	1,473
8	फतेहपुर	1,278	31.71	8.90	20.90	63	5	68	146	48	194	965
9	कानपुर	2,996	45.77	25.37	36.63	120	36	156	333	150	483	2,140
योग केन्द्रीय	..					517	122	639	1891	638	2529	2146
महा योग	..	8,83,41,144	31.50	10.55	21.70	4,404	806	5,210	10,058	3,349	1,3407	70,931

नोट--1. *आंकड़े अनुमानित हैं।

2. **गजियाबाद जनपद के आंकड़े मेरठ तथा बुलन्दशहर जनपदों में सम्मिलित हैं।

सारणी-19

30 सितम्बर, 1980 को जिलेवार संख्या के अनुसार छात्र संख्या*

क्रम- सं०	जनपद का नाम	उच्चतर माध्यमिक विद्यालय			सीनियर बेसिक स्कूल			जूनियर बेसिक स्कूल		
		बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	फैज बाद	52487	10615	63102	18925	4407	23332	153357	65984	219341
2	दहुर इच	20279	5703	25982	18493	5313	23806	116026	46791	162817
3	गोण्डा	35541	7331	42872	13850	4850	18710	150420	47720	198140
4	प्रतापगढ	43690	4039	47729	21246	3486	24732	118329	51436	169765
5	मुल्तानपुर	36448	4574	41022	22391	3361	25752	133974	66136	200110
6	गोरखपुर	109030	29594	138624	33084	5626	38710	192000	90185	282185
7	आजमगढ	84534	15271	99805	28215	3912	32137	212763	75870	288633
8	बस्ती	66785	6266	73051	26800	4886	31686	281435	110222	391657
9	देवनिया	88880	8210	97090	46029	5959	51988	203334	85734	289568
10	वाराणसी	93461	24254	117715	53015	17309	70324	176761	94791	271552
11	बलिया	55766	10146	65912	26245	5658	31903	116654	62653	179307
12	गङ्गीपुर	52373	8116	60689	40603	7132	47749	144327	99273	243600
13	जैनपुर	66812	11405	78217	28444	4524	32968	168344	73862	242206
14	मिर्जापुर	31872	15956	47828	10520	2836	13356	125547	98416	223963
15	इलाहाबाद	94423	23900	118323	34322	9832	44154	182387	64073	246460
योग पूर्वी ..		932381	185580	1117961	422207	89091	511298	2476158	1133146	3609304

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	देहरादून	33327	19334	52661	7439	4518	11957	48000	33467	81467
2	उरकाशी	4817	1254	6071	2336	373	2709	10799	5197	15996
3	देहरा-गढ़वाल	11962	2171	14133	6141	1124	7265	26637	8931	35568
4	पीडी-गढ़वाल	33051	6480	39531	6998	2898	9896	59312	41245	100557
5	चमोली	13180	3472	16652	4373	936	5309	25463	13376	38839
6	पिथौरागढ़	19026	6232	25258	6333	1556	7889	35309	19624	54933
7	अल्मोड़ा	30582	7883	38465	6304	2295	8599	53578	29793	83371
8	नैनीताल	30074	15628	45702	9251	4110	13361	48588	29864	78452
योग पत्रंतीय ..		176019	62454	238473	49175	17810	66935	307686	181497	489183
1	झासी	35611	20869	56480	11119	4477	15596	66413	34507	100920
2	ललितपुर	7000	3663	10663	4197	1102	5299	32025	13729	45754
3	हमीरपुर	23739	5627	29366	12202	2201	14403	63839	32068	95907
4	जालौन	34593	7350	41943	12356	3824	16180	66860	31180	98040
5	बांदा	26867	6257	33124	15832	2200	28032	113884	35817	149701
योग बुन्देलखण्ड ..		127810	43766	171576	55706	13804	69510	343021	147301	490322
1	आगरा	76255	37256	113511	27976	13690	41666	178262	90518	268780
2	अलीगढ़	78666	21084	99690	28279	5718	33997	169496	78707	248203
3	एटा	42799	10852	53651	24891	4216	29107	105497	50425	155922
4	मनगरी	47681	10188	57869	35448	8404	43852	110541	54310	164851
5	मथुरा	55215	11220	66435	14688	5554	20242	94765	37210	131975
6	बरेली	43803	19888	63691	16090	3935	20025	119659	52685	172344

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
7	विजनीर	43530	12634	56164	15012	6041	21053	95221	43453	138674
8	वदायूं	25433	8960	34393	10806	2602	13408	99336	50065	149401
9	मुरादाबाद	59102	18955	78057	16909	8089	24998	171135	74557	245692
10	पीलीभीत	15017	4504	19521	10447	1765	12212	47535	20292	67825
11	रामपुर	15570	6697	22267	6666	1577	8243	53295	19073	72368
12	शाहजहापुर	20734	9925	30659	14972	3209	18181	86014	41593	127607
13	भोरेठ	102506	31982	134488	34954	14382	49336	136938	70091	207029
14	बुलन्दशहर	87168	18135	105303	14271	3078	17349	124986	43843	168829
15	मुजफ्फरनगर	59432	18896	78328	19746	8052	27798	137862	57315	195177
16	सहारनपुर	63581	29849	93430	27590	10850	38440	114822	56160	170982
17	इटावा	61893	12840	74733	23359	10039	33398	119490	66547	186037
18	फर्रुखाबाद	53059	15726	68785	25480	8989	34469	124747	56046	180793
19	गाजियाबाद	65347	18885	84222	13960	5435	19395	70840	40549	113389
योग पश्चिमी ..		1016731	318476	1335207	381544	125625	507169	2160439	1003439	3163878

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	लखनऊ	57402	34323	91725	19152	6252	25401	119922	82101	202023
2	हरदोई	30865	6129	37294	39297	7999	47296	149014	57578	206592
3	खीरी	25946	6619	32565	13825	2585	16410	98378	42429	140807
4	रायबरेली	31480	6554	38034	21074	4766	25840	117892	74173	192365
5	सीतापुर	32341	8147	40488	18708	3714	22422	117653	48594	166247
6	उन्नाव	32063	5917	37980	20632	3550	24182	112128	49672	161800
7	बाराबंकी	23361	3181	26542	10570	3183	13753	109532	50099	159631
8	फतेहपुर	37040	5354	42394	15104	11931	27035	83500	32113	115613
9	कानपुर	103746	50117	153863	44608	18011	62619	202917	136707	339624
योग केन्द्रीय ..		374244	126641	500885	202970	61991	264961	1110936	573766	1684702
योग उत्तर प्रदेश ..		2627185	736917	3364102	1111602	308321	1419923	6398240	3039149	9437389

*आकड़े अनुमानित हैं।

सारिणी-20

30 सितम्बर, 1980 को जिलेवार संस्थानुसार अध्यापक संख्या*

क्र० सं० जनपद का नाम	उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में			जूनियर बेसिक स्कूल में			जूनियर बेसिक स्कूलों में			
	पुरुष	महिला	योग	पुरुष	महिला	योग	पुरुष	महिला	योग	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1-फंजावाद	1770	318	2088	1465	283	1748	4931	861	5792	
2-बहराइच	679	137	816	794	304	1098	3857	790	4677	
3-गोन्डा	1153	184	1337	764	242	1006	4885	703	5588	
4-प्रतापगढ़	1353	80	1433	757	171	928	4071	384	4455	
5-सुल्तानपुर	1260	132	1392	1190	230	1420	4559	696	5255	
6-गोरखपुर	3546	563	4109	1715	491	2206	5653	854	6507	
7-भ्राजमगढ़	2978	264	3242	1446	391	1837	6609	1009	7618	
8-बस्ती	2570	216	2786	1547	317	1864	6703	717	7420	
9-देवरिया	3872	228	4100	2050	258	2308	5721	1123	6844	
10-वाराणसी	3509	798	4307	1987	791	2778	6303	1306	7609	
11-बलिया	1930	158	2088	1245	313	1558	4286	745	5031	
12-गाजीपुर	1694	130	1824	1301	197	1498	3806	746	4552	
13-जौनपुर	2501	187	2688	1498	214	1712	5519	715	6234	
14-मिर्जापुर	1168	213	1381	788	300	1088	3401	589	3990	
15-इलाहाबाद	3170	884	4054	1239	900	2139	5795	1175	6970	
योग पूर्वी	..	33153	4492	37645	19786	5402	25188	76189	12413	88602

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	देहरादून	1456	848	2304	622	332	954	1472	766	2238
2	उत्तर काशी	317	51	368	250	26	276	559	100	659
3	टिहरी गढ़वाल	649	81	730	481	73	554	1188	258	1446
4	पीड़ीगढ़वाल	1456	190	1646	630	156	786	2298	488	2786
5	चमोली	783	87	870	361	58	419	1076	318	1394
6	पिथौरागढ़	889	182	1071	492	68	560	1562	490	2052
7	अल्मोड़ा	1460	170	1630	554	143	697	2560	512	3072
8	नैनीताल	1340	681	2021	725	250	975	2032	505	2537
योग पर्वतीय ..		8350	2290	10640	4115	1106	5221	12747	3437	16184
1	झांसी	1310	331	1641	568	243	811	2070	781	2851
2	ललितपुर	262	85	347	183	74	257	1069	233	1302
3	हमीरपुर	800	164	964	678	161	839	2424	499	2923
4	जालौन	1070	265	1335	587	191	778	2071	465	2536
5	बांदा	978	142	1120	705	136	841	3225	420	3645
योग बुन्देलखण्ड ..		4420	987	5407	2721	805	3526	10859	2398	13257
1	आगरा	2272	1158	3430	1252	947	2199	4075	1303	5378
2	अलीगढ़	2821	614	3435	1114	274	1388	4719	953	5672
3	एटा	1477	228	1705	840	225	1065	3570	640	4210
4	मैनपुरी	1564	209	1773	941	233	1174	3467	497	3964

5	मथुरा	1916	278	2194	739	274	1013	3141	700	3841
6	वरेली	1530	615	2145	744	225	969	3452	946	4398
7	विजनीर	1400	330	1730	611	173	784	2774	849	3623
8	वदाय	820	242	1062	613	215	828	3397	772	4169
9	मुरादाबाद	1910	642	2552	995	551	1546	5383	1153	6536
10	पीलीभीत	409	126	535	388	122	510	1591	532	2123
11	रामपुर	531	184	715	270	165	435	1598	322	1920
12	शाहजहापुर	642	252	894	573	161	734	2761	543	3304
13	भेरठ	3763	1011	4774	1032	424	1456	5806	1022	6828
14	बुलन्दशहर	3025	384	3409	566	195	761	4561	549	5110
15	मुजफ्फरनगर	2098	485	2583	763	253	1016	4034	999	5033
16	सहारनपुर	2444	625	3069	918	403	1321	3798	1346	5144
17	इटावा	2117	223	2340	1169	323	1492	3874	634	4508
18	फर्रुखाबाद	1664	389	2053	1283	400	1683	3897	916	4813
19	गजियाबाद	2136	568	2704	700	453	1153	2030	1424	3454

योग पश्चिमी .. 34539 8563 43102 15511 6016 21527 67928 16100 84028

1	लखनऊ	1848	1426	3274	1238	566	1804	2218	1594	3812
2	हरदोई	924	190	1114	1120	334	1454	3953	743	4696
3	खीरी	774	167	941	620	144	764	3498	509	4007
4	रायबरेली	1056	131	1187	936	176	1112	4137	541	4678
5	सीतापुर	801	221	1022	968	320	1288	3576	777	4353
6	उन्नाव	1147	132	1279	885	227	1112	3728	670	4398

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
7	वाराणसी	675	69	744	848	221	1069	3828	862	4690
8	फतेहपुर	1272	113	1385	716	93	809	2949	721	3670
9	कानपुर	3334	1276	4610	2076	1224	3300	5698	2639	8337
	योग केन्द्रीय ..	11831	3725	15556	9407	3305	12712	33585	9056	42641
	योग उत्तर प्रदेश ..	92293	20057	112350	51540	16634	68174	201308	43404	244712

*आंकड़े अनुमानित हैं ।

सारिणी-21

जिलेवार महाविद्यालय छात्र संख्या एवं अध्यापक संख्या
(30 सितम्बर, 1980 की स्थिति के अनुसार)**

क्रम सं०	जन्तपद का नाम	विश्वविद्यालय का नाम जिससे महाविद्यालय सम्बद्ध है	महाविद्यालयों की संख्या	छात्र संख्या	अध्यापक संख्या
1	2	3	4	5	6
1	फैजाबाद	अवध विश्वविद्यालय	6	7476	269
2	बहराइच	तद्वैव	3	1955	66
3	गोण्डा	तद्वैव	3	2981	136
4	प्रतापगढ़	तद्वैव	7	3780	130
5	मुल्तानपुर	तद्वैव	5	3861	125
6	गोरखपुर	गोरखपुर विश्वविद्यालय	13	9787	323
7	आजमगढ़	तद्वैव	14	9611	363
8	बस्ती	तद्वैव	8	6790	225
9	देवरिया	तद्वैव	10	10661	390
***10	वाराणसी	तद्वैव	19	14812	597
11	बलिया	तद्वैव	11	6894	348
12	गाजीपुर	तद्वैव	9	3819	167
13	जौनपुर	तद्वैव	14	10641	404
14	मिर्जापुर	तद्वैव	4	2296	121
*15	इलाहाबाद	इलाहाबाद विश्वविद्यालय कानपुर विश्वविद्यालय	10 7	14287	470
योग पूर्वी ..			143	1 09651	4134
1	देहरादून	गढ़वाल विश्वविद्यालय	7	7954	350
2	उत्तरकाशी	तद्वैव	1	343	33
3	टिहरी गढ़वाल	तद्वैव	1	476	35
4	पौड़ीगढ़वाल	तद्वैव	4	1954	150
5	चमोली	कुमायू विश्वविद्यालय	3	831	51
6	पिथौरागढ़	तद्वैव	3	1798	97
7	अल्मोड़ा	तद्वैव	4	1961	108
8	नैनीताल	तद्वैव	4	3179	151
योग पर्वतीय ..			27	18496	975

1	2	3	4	5	6
1	भासी	बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय	4	5835	132
2	ललितपुर	तदैव	1	362	9
3	हमीरपुर	तदैव	3	1034	45
4	जालौन	तदैव	4	2775	117
5	बाँदा	तदैव	3	2786	118
योग बुन्देलखण्ड ..			15	12792	421
1	भागरा	भागरा विश्वविद्यालय	13	18498	783
2	भलीगढ़	तदैव	6	17780	380
3	एटा	तदैव	5	3386	152
4	मैनपुरी	तदैव	6	4667	187
5	मथुरा	तदैव	7	5392	227
6	बरेली	रूहेलखंड विश्वविद्यालय	5	6758	252
7	बिजनौर	तदैव	6	4114	268
8	बदायूँ	तदैव	2	1486	44
9	मुरादाबाद	तदैव	11	11799	435
10	पीलीभीत	तदैव	2	1006	25
11	रामपुर	तदैव	2	1742	107
12	शाहजहापुर	तदैव	2	1599	75
13	मेरठ	मेरठ विश्वविद्यालय	15	21814	800
14	बुलन्दशहर	तदैव	10	6653	282
15	मुजफ्फरनगर	तदैव	8	7343	277
16	सहारनपुर	तदैव	10	8086	264
17	इटावा	कानपुर विश्वविद्यालय	5	4087	202
18	फर्रुखाबाद	तदैव	9	4305	150
19	गाजियाबाद	मेरठ विश्वविद्यालय	11	12738	482
योग पश्चिमी ..			135	136253	5392
1	लखनऊ	लखनऊ विश्वविद्यालय	19	18768	668
2	हरदोई	कानपुर विश्वविद्यालय	3	2560	63
3	लखीमपुरखीरी	तदैव	3	2436	86
4	रायबरेली	तदैव	6	2853	142
5	सीतापुर	तदैव	4	1569	66

1	2	3	4	5	6
6	उन्नाव	कानपुर विश्वविद्यालय	2	1856	76
7	बाराबंकी	अवध विश्वविद्यालय	1	998	21
8	फतेहपुर	कानपुर विश्वविद्यालय	2	889	29
9	कानपुर	तद्वै	21	2 500	1098
योग केन्द्रीय ..			61	57429	2249
योग उत्तर प्रदेश ..			384	334621	13171

*इलाहाबाद मडल में इल हाबाद के पांच पुरुषों के, पांच महिलाओं के महाविद्यालय इलाहाबाद विश्वविद्यालय के सहयुक्त हैं। शेष सब महाविद्यालय, कानपुर विश्वविद्यालय से सम्बद्ध हैं। कुल 16 महाविद्यालयों के अतिरिक्त 3 इलाहाबाद विश्वविद्यालय के ट्यूटोरियल हाल हैं।

**आकड़ अनुमानित हैं।

***वाराणसी में तीन महिला तथा एक पुरुषों का कालेज, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय से सम्बद्ध हैं। शेष 15 गोरखपुर विश्वविद्यालय से सम्बद्ध हैं।

सारिणी—22

उत्तर देश में (आयु वर्ग 15-35) प्रखण्डवार जनपदों की साक्षरता प्रतिशत की स्थिति

क्रम.क	जनपद	साक्षरता प्रतिशत (आयु वर्ग 15-35)		
		व्यक्ति	पुरुष	महिला
1	2	3	4	5
पूर्वी प्रखण्डः				
1	बहराइच	17.2	25.6	6.4
2	फैजाबाद	28.4	45.7	11.5
3	प्रतापगढ़	26.6	47.8	8.8
4	देवरिया	26.9	45.7	8.6
5	बस्ती	22.0	35.8	7.6
6	आजमगढ़	28.8	48.4	11.3
7	वाराणसी	38.8	58.9	18.5
8	मिर्जापुर	30.4	45.4	13.7
9	गाजीपुर	27.8	46.5	12.0
10	इलाहाबाद	33.8	51.6	15.0
11	गोंडा	19.8	31.6	7.3
12	सुल्तानपुर	24.4	41.6	8.5
13	गौरखपुर	27.9	43.0	12.4
14	जौनपुर	30.0	52.7	11.3
15	बलिया	33.0	53.2	14.1
पश्चिमी प्रखण्डः				
16	सहारनपुर	34.9	47.2	20.4
17	मेरठ व गाजियाबाद	41.3	56.3	24.0
18	दुलन्दशहर	33.1	51.6	13.1
19	बरेली	27.4	37.6	14.7
20	बदायूं	18.7	27.4	8.3
21	रामपुर	20.1	27.5	11.5
22	मथुरा	35.7	54.0	13.8
23	आगरा	40.7	55.9	23.1

1	2	3	4	5
24	मैनपुरी	36.0	52.9	17.9
25	इटावा	42.8	61.6	21.9
26	गाजियाबाद
27	मुजफ्फरनगर	31.2	46.0	14.8
28	बिजनौर	30.7	45.0	15.1
29	मुरादाबाद	25.0	35.0	13.5
30	शाहजहापुर	24.9	35.5	11.9
31	पीलीभीत	24.3	35.5	11.1
32	अलीगढ़	37.2	54.4	17.8
33	एटा	31.5	48.1	13.3
34	फर्रुखाबाद	37.2	52.6	19.4
केन्द्रीय प्रखण्डः				
35	कानपुर	51.9	65.5	35.1
36	लखनऊ	48.4	58.3	36.2
37	रायबरेली	26.5	43.5	10.5
38	सीतापुर	25.1	38.8	8.6
39	फतेहपुर	32.2	51.3	12.2
40	उन्नाव	28.1	43.0	12.1
41	लखीमपुर-खीरी	21.8	31.7	10.2
42	हरदोई	27.4	40.3	12.4
43	बाराबंकी	20.3	31.8	7.8
पश्चिमी प्रखण्डः				
44	अत्मोड़ा	39.2	71.6	13.9
45	नैनीताल	45.1	58.7	27.7
46	पौड़ी-गढ़वाल	45.7	73.2	24.2
47	टिहरीगढ़वाल	23.8	56.8	5.9
48	देहरादून	59.4	68.7	46.3
49	चमोली	37.2	69.2	10.6
50	उत्तरकाशी	32.0	55.6	4.4
51	पिथौरागढ़	45.3	75.0	19.6
बन्देलखण्ड प्रखण्ड—				
52	वांदा	26.7	44.4	7.4
53	झांसी व ललितपुर	36.4	52.4	18.6
54	जालौन	41.5	63.5	17.4
55	हमीरपुर	29.6	47.2	10.0
56	ललितपुर

सारिणी—23

उत्तर प्रदेश में केन्द्रीय सरकार के संसाधनों से चलाये जाने वाली प्रौढ़ शिक्षा की 32 परियोजनाओं के जनपद तथा उनके विकास क्षेत्र (प्रत्येक परियोजना में 300 प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र)

क्रमांक	जनपद	विकास खण्ड	क्रमांक	जनपद	विकास खण्ड
1	सहारनपुर	1-बलिया खेड़ी 2-पुवारका	17	मिर्जापुर	1-राजगढ़ 2-रावर्ट संगंज
2	मेरठ	1-सरथना 2-दौराला	18	गाजीपुर	1-बिरनों 2-मरदह
3	बुलन्दशहर	1-गुलावटी 2-सिकन्दराबाद	19	देवरिया	1-हाटा 2-शुकरौली
4	आगरा	1-खैरागढ़ 2-जगनेर	20	वस्ती	1-बनकटी 2-सेमिरावां
5	मैनपुरी	1-बेवर 2-जागीर	21	आजमगढ़	1-लालगंज 2-तरवां
6	मथुरा	1-मथुरा 2-फरह	22	फैजाबाद	1-टांडा 2-जलालपुर
7	बरेली	1-बहेड़ी 2-शेरगढ़	23	बहराइच	1-जमुनहाँ 2-नवाबगंज
8	बदायूं	1-सहस्रवान 2-देहगवा	24	प्रतापगढ़	1-बावागंज 2-विहार
9	रामपुर	1-शाहाबाद 2-मिलक	25	लखनऊ	1-मोहनलालगंज 2-गौसाईगंज
10	इलाहाबाद	1-मझनपुर 2-कर्नौली	26	रायबरेली	1-महराजगंज 2-बछरावां
11	कानपुर	1-विधनू 2-पतारा	27	सीतापुर	1-बिस्वां 2-लहरपुर
12	इटावा	1-महेवा 2-भर्येना	28	पौड़ीगढ़वाल	1-ढाग (दोहरीघाट) 2-कलजीखाल
13	झासी	1-बड़ागांव 2-बगरा	29	नैनीताल	1-खटीमा 2-रुद्रपुर
14	वादा	1-मऊ 2-रामनगर	30	देहरी-गढ़वाल	1-जखौली 2-मिलगना
15	जालौन	1-डकौर 2-जालौन	31	अल्मोड़ा	1-गहड 2-बागेश्वर
16	वाराणसी	1-घानापुर 2-चह्नियां	32	देहरादून	1-सहसपुर 2-डोइवाला

सारिणी—24

माह दिसम्बर, 1980 तक का प्रौढ़ शिक्षा केन्द्रों की प्रगति का विवरण

क्रम- सं०	जनपद का नाम	कुल केन्द्रों की सं०	पुरुष केन्द्र	महिला केन्द्र	मिश्रित केन्द्र	कुल प्रतिभागी	पुरुष प्रति०	महिला प्रति०	अनु० जाति	अनु० जनजाति
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
पश्चिमी प्रखण्ड										
1	सहारनपुर	300	212	88	—	6167	4553	1614	1318	255
2	भैरठ	300	178	122	—	8274	4941	3333	3352	—
3	बल्लभहर	300	200	100	—	7321	4906	2415	1862	—
4	बरेली	299	137	40	122	8161	6394	1767	1425	—
5	बदायूँ	256	226	30	—	7680	6780	900	830	—
6	समपुर	299	197	100	2	8372	5608	2764	1694	—
7	मथुरा	300	182	88	30	7964	5689	2275	1710	47
8	आगरा	300	152	100	48	6895	4910	1910	730	—
9	मैनपुरी	299	200	99	—	8970	6000	2970	2789	—
10	इटावा	300	181	19	—	8501	5150	3351	3055	59
	योग ..	2954	1865	887	202	78305	54931	23374	18765	361
2—बुन्देलखण्ड प्रखण्ड										
11	बाँदा	300	247	53	—	8850	7410	1440	2667	369
12	झाँसी	292	214	78	—	8748	6408	2340	3041	318
13	जालौन	300	200	100	—	7505	5285	2220	2643	—
	योग ..	892	661	231	—	25103	19103	6000	8351	687

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
3—पूर्वी प्रखण्ड :										
14	बहराइच	300	269	31	—	4028	3708	320	1105	—
15	फैजाबाद	300	211	89	—	6270	4220	2050	2287	65
16	प्रतापगढ़	300	182	101	17	9000	5818	3182	3424	—
17	देवरिया	300	201	99	—	5374	4451	923	784	—
18	बस्ती	300	199	101	—	8215	5412	2803	2566	—
19	बाजमगढ़	300	231	67	2	8912	6879	2033	1695	—
20	वाराणसी	300	191	102	7	9245	6213	3032	2001	60
21	मिर्जापुर	248	206	42	—	7326	6100	1226	3645	516
22	भाजीपुर	300	181	119	—	8559	3308	3251	2740	11
23	इलाहाबाद	300	268	32	—	6493	5874	619	2828	—
	योग ..	2948	2139	783	26	73816	54783	19439	22922	652
*बहराइच में प्रतिभागियों की संख्या केवल अवशेष 145 केंद्रों की दिखाई गयी है।										
**देवरिया में प्रतिभागियों की संख्या केवल 231 केंद्रों की दिखाई गई है।										
4—केन्द्रीय प्रखण्ड :										
24	कानपुर	297	1977	100	2	8560	5685	2875	2186	39
25	लखनऊ	300	198	94	8	6186	3962	2224	2731	—
26	रायबरेली	300	192	108	—	6716	5365	1351	3760	—
27	सीतापुर	300	255	45	—	8835	7517	1318	4074	—
	योग ..	1197	842	347	8	30297	22529	7768	12745	41

28	अल्मोड़ा	294	9	114	171	6333	1290	5043	1848	-
29	नैनीताल	300	193	107	-	7540	4955	2585	2209	4102
30	टिहरी गढ़वाल	300	17	53	230	6270	1880	4390	780	-
31	पौड़ी गढ़वाल	300	208	92	-	9000	3595	5405	2424	-
32	देहरादून	300	126	90	84	6424	3315	3109	2081	700
	योग ..	1494	553	456	485	35567	15035	20532	9342	4802
	महायोग ..	9485	6060	2704	721	243088	165975	77113	72125	6543

दिसम्बर 31, 1980 तक खोले गये केन्द्रों एवं प्रतिभागियों का विवरण
प्रतिशत में

1—कुल खोले गये केन्द्रों का प्रतिशत — 98.8 प्रतिशत । केन्द्र खोलने का लक्ष्य 9600 ।

2—कुल उपलब्ध प्रतिभागियों में से :—

क्र० सं०	पुरुषों का प्रति०	महिलाओं का प्रति०	अनु० जाति का प्रति०	अनु० जनजाति का प्रतिशत	
—	68.9	31.1	29.6	2.6	
प्रौढ़ शिक्षा केन्द्रों की संख्या	कुल प्रतिभागियों की संख्या	पुरुष प्रतिभागी	महिला	अनु० जाति	अनु० जनजाति
9485	243088	165975	77113	72125	6543

इ ला हा वा द

अधीक्षक, राजकीय मुद्रण एव लेखन-सामग्री, उत्तर प्रदेश (भारत)

1981